राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 208 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली,मंगलवार ,19 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

शाहनवाज और मुकेश सहनी ने दाखिल किया नामांकन

पटना, (एजेंसी)।सियासी गर्मी के बीच बिहार विधान परिषद (एमएलसी) की 2 सीटों पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन और वीआईपी के प्रमुख एवं राज्य सरकार में मंत्री मुकेश सहनी ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद और रेणु देवी के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जयसवाल समेत पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहें।

बंगाल की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी शिवसेना

मुंबई, (एजेंसी)।महाराष्ट्र में सरकार चला रही शिवसेना अब पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।पार्टी नेता संजय राउत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।राउत ने कहा कि पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा के बाद, शिवसेना ने पश्चिम बंगाल में चुनाव लडे का फैसला किया है। राउत ने अपनी पोस्ट में लिखा- जय हिंद, जय बांग्ला।पश्चिम बंगाल में इसी साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होना है।

कब भारत लौटेगा माल्या, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)।मोदी सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि भगौड़े शराब कारोबारी विजय माल्या को ब्रिटेन से भारत लाने के सभी प्रयास हो रहे हैं, लेकिन इसमें कुछ बिन्दुओं पर चल रही कानूनी कार्यवाही की वजह से विलंब हो रहा है।विजय माल्या, बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस पर बैकों का नौ हजार करोड़ रूपए से भी अधिक बकाया राशि का भुगतान नहीं करने के मामले में आरोपी है।

येदियुरप्पा की उद्धव ठाकरे को चुनौती

बेंगलुरु, (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच रहे सीमा विवाद फिर तूल पकड़ता जा रहा है। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी सरकार कर्नाटक के उन इलाकों को राज्य में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां मराठी भाषी लोगों की बहुलता है। इस पर कर्नाटक के सीएम येदियुरप्पा ने बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कहा कि कर्नाटक की एक भी इंच जमीन नहीं दी जाएगी।

कार्टून

पुलिस तय करे दिल्ली में कौन आएगा, कौन नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ जारी हल्लाबोल के बीच किसानों ने ऐलान किया है कि वे 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में टैक्टर रैली निकालेंगे मगर इसे रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिस पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दिल्ली पुलिस का काम है कि वह तय करे कि दिल्ली में कौन आएगा और कौन नहीं। कोर्ट ने कहा कि शहर में कितने लोग, कैसे आएंगे ये पुलिस तय करेगी। अब इस मामले पर 20 जनवरी को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि यह मामला कानून-व्यवस्था से जुड़ा है और इसके बारे में फैसला पुलिस लेगी। इस मामले से निपटने के लिए आपके पास सारे अधिकार हैं। दिल्ली में किसे प्रवेश देना चाहिए, इस बारे में फैसला करने का पहला अधिकार पुलिस को है। हम आपको यह नहीं बताने जा रहे कि आपको क्या करना चाहिए, इस विषय पर 20 जनवरी को विचार करेंगे। दरअसल, उच्चतम न्यायालय केंद्र सरकार की याचिका पर सुनवाई की, जो दिल्ली पुलिस के मार्फत दायर की गई है। याचिका के जरिए 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में व्यवधान डाल सकने वाले किसानों की प्रस्तावित ट्रैक्टर रैली या इसी तरह के अन्य प्रदर्शन को रोकने के लिए न्यायालय से आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। कृषि कानूनों का प्रदर्शन कर रहे किसान यूनियनों ने कहा कि वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में अपनी प्रस्तावित ट्रैक्टर परेड निकालेंगे और साथ ही उन्होंने कृषि कानूनों को निरस्त किये जाने तक अपना आंदोलन जारी रखने की प्रतिबद्धता जाहिर की। वहीं दूसरी ओर कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 19 जनवरी को होने वाले वार्ता के अगले दौर में कानूनों को निरस्त किये जाने की बजाय विकल्पों पर चर्चा करने का आग्रह किया। आज सुप्रीम कोर्ट में कृषि कानूनों के मुद्दों पर सुनवाई भी है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) नेता राकेश टिकैत ने रविवार को नागपुर में पत्रकारों से कहा कि किसान केंद्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ मई 2024 तक प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं और दिल्ली की सीमाओं पर चल रहा किसानों का आंदोलन वैचारिक क्रांति है। उन्होंने कहा, हम मई 2024 तक प्रदर्शन करने को तैयार हैं। हमारी मांग है कि तीनों कानूनों को वापस लिया जाए और सरकार एमएसपी को कानूनी गारंटी प्रदान करे। यूनियन नेता योगेंद्र यादव ने सिंघु सीमा स्थित प्रदर्शन स्थल पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हम गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में बाहरी रिंग रोड पर एक ट्रैक्टर परेड करेंगे। परेड बहुत शांतिपूर्ण होगी। गणतंत्र दिवस परेड में कोई भी व्यवधान नहीं होगा। किसान अपने ट्रैक्टरों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाएंगे। प्राधिकारियों ने किसानों द्वारा प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च या ऐसे किसी अन्य प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर रोक की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया है ताकि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में किसी तरह की बाधा न आये। यह मामला अदालत में लंबित है।

गुजरात के दो शहरों में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का शिलान्यास

अहमदाबाद, (एजेंसी)।रविवार को देश के अलग अलग शहरों को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से जोड़ती 8 ट्रेनों की शुरूआत करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के दो शहरों को बड़ी सौगात दी है।पीएम मोदी ने सोमवार को सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट और अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-2 का भी ई शिलान्यास किया।इस मौके पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीपसिंह पुरी मौजूद रहे। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का ई शिलान्यास करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश के 2 बड़े व्यापारिक केन्द्रों अहमदाबाद और सूरत में मेट्रो कनेक्टिविटी और मजबूत करने का काम करेगी। आज 17000 करोड़ से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर का काम शुरू हो रहा है। ये दिखाता है कि कोरोना काल में भी नए इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले 10-12 वर्षों में केवल 225 किलोमीटर मेट्रो लाइन ऑपरेशन हुई थी। जबकि बीते 6 वर्ष में 450 किलोमीटर से अधिक मेट्रो नेटवर्क चालू हो चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि आज सूरत आबादी के लिहाज से देश का आठवां शहर है और विश्व का चौथा सबसे तेजी से विकसित होता शहर है। दुनिया के हर 10 हीरों में से 9 सूरत में तराशे जाते हैं। सूरत आज देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर है। पीएम मोदी ने कहा कि हममें से ज्यादातर ने वह दौर भी देखा होगा जिसमें गुजरात के गांवों तक ट्रेन और टैंकरों से पानी पहुंचाया जाता था। लेकिन अब गुजरात के हर गांव में पानी पहुंच चुका है। राज्य के 80 प्रतिशत घरों में नलों के जरिए पानी उपलब्ध है।

सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर कुल 12020 करोड़ रुपए खर्च होंगे और इसकी लंबाई 40.35 किलोमीटर होगी। पहले गलियारे की लंबाई 21.61 किलोमीटर और दूसरे की 18.74 किलोमीटर होगी। पहला गलियारा सरथाणा से ड्रीम सिटी तक होगा, जिसमें 14 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन और 6 भूमिगत स्टेशन होंगे। जबकि दूसरा गलियारा भेसाण से सरोली तक होगा, जिसमें 18 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। फिलहाल ड्रीम सिटी डिपोसे कदरशा की नाल तक 9.88 किलोमीटर के गलियारे को प्राथमिकता दी जाएगी, जिसमें 10 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन होंगे। अहमदाबाद मेट्रो प्रोजेक्ट के दूसरे फेज में दो कोरिडोर होंगे, जिसकी लंबाई 28.25 किलोमीटर की होगी। 22.83 किलोमीटर लंबा पहला कोरिडोर मोटेरा स्टेडियम से गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर तक बनेगा। जबकि दूसरा 5.41 किलोमीटर लंबा कोरिडोर जीएनएलयू से गिफ्ट सिटी तक बनेगा। अहमदाबाद मेट्रो के दूसरे फेज में कुल 5384.17 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

संसद के बजट सत्र के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए व्यवस्था की जाएगी : बिरला

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कॉमनवेल्थ के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की स्थायी समिति की वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोविड-19 ने दुनिया भर में संसदों के कामकाज को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान, लोक सभा में कुछ महत्वपूर्ण विधायी कार्य किये गए जिसमे संसद द्वारा इस मुश्किल घड़ी में जनता की सेवा कर रहे स्वास्थ्य कार्यकताओं की सुरक्षा के लिए समुचित कानून बनाना शामिल है। सभी कोरोना प्रोटोकॉल मानकों का पालन करते हुए सभा की कार्यवाही का संचालन किया और संसद परिसर में सभी के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि संसद के कार्यकरण में ई-संसद और ई-ऑफिस जैसे क्ळ साधनों के बढ़ते उपयोग ने सांसदों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रभावशाली तरीके से निर्वहन करने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान किया है। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि क्ळ प्रौद्योगिकियों ने एक ओर सांसदों को वर्चुअल मंच के माध्यम से सपोर्ट दिया है, वहीं दूसरी ओर संसद के कार्यकरण को अधिक पारदर्शी, समावेशी और जवाबदेह बनाने में सहायता की है। इनके माध्यम से सांसद और नागरिकों के लिए संसदीय कार्यों से जुड़ने के अधिकाधिक अवसर उत्पंन्न हुए हैं।

बिरला ने आगे कहा कि सभी देशों के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सूचना, संचार और प्रोद्योगिकी के क्षमता निर्माण को गति प्रदान हेतु भारत अपने सभी मित्र देशों के साथ मिलजुलकर काम कर रहा है।

बैठक के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि संसद के बजट सत्र के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए व्यवस्था की जाएगी।

डॉ. कलाम की विरासत ने हमें स्वदेशी टीका विकसित करने के लिए प्रेरित किया : नायडू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने भारत की विकास गाथा लिखने में युवाओं से आगे रहने का आह्वान किया। वह चेन्नई स्थित राजभवन में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की तमिल में लिखी गई जीवनी के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। इस पुस्तक का शीर्षक है अब्दुल कलाम-निनैवूगलुक्कू मारनामिल्लई, जिसे डॉ कलाम की भांजी डॉक्टर एपीजेएम नजमा मरईकायर और जाने-माने अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ वाईएस राजन ने लिखा है। तमिल भाषा में इस पुस्तक की रचना के लिए लेखकों की प्रशंसा करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा मातृभाषा में पुस्तकों की रचना अधिक से अधिक संख्या में लोगों तक पहुंचने का सबसे अच्छा तरीका है।

नायडू ने इसका समग्रता में लाभ उठाए जाने का आह्वान किया ताकि कृषि से लेकर विनिर्माण तक सभी क्षेत्रों में प्रगति की रफ्तार को बढ़ाया जा सके और आने वाले वर्षों में एक टिकाऊ विकास दर हासिल की जा सके। देश की 65% आबादी के 35 वर्ष से कम उम्र का और 50% आबादी के 25 वर्ष से कम उम्र का होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसा समय है जब देश के युवाओं को देश की प्रगति को और गति देने के लिए आगे खड़े होना चाहिए। नायडू ने युवाओं से डॉक्टर कलाम की पुस्तक से प्रेरणा लेने का आह्वान किया और अपने भीतर विश्वास पैदा करने को कहा। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी तलाश करने वालों की बजाय नौकरी देने वाला बनने के बारे में सोचना चाहिए।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि छात्रों में जिज्ञासु प्रवृत्ति और तार्किक चिंतन की परंपरा विकसित होनी चाहिए। इस दिशा में नई शिक्षा नीति एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इसमें अकादमिक शिक्षण और अन्य गतिविधियों का सांकेतिक एकीकरण किया गया है ताकि बच्चे का समग्रता में विकास हो सके। उन्होंने कहा कि वह प्रायः विद्यालयों का दौरा करते थे और छात्रों से बात करते थे। उप राष्ट्रपतिने कहा कि उन्होंने कभी ना भुलाए जा सकने वाले अपने शब्दों, अपनी चुंबकीय उपस्थिति और एक गर्मजोशी वाली मुस्कान से हजारों छात्रों को प्रेरित किया। उप राष्ट्रपति ने कहा कि वास्तव में हमारे अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखने का श्रेय डॉ कलाम को जाता है, जिस बुनियाद पर आज हमारे वैज्ञानिक और इंजीनियर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अपने भीतर पूर्ण विश्वास की डॉक्टर कलाम की विरासत ने हमारे वैज्ञानिकों को स्वदेशी टीका विकसित करने के लिए प्रेरित किया। यहाँ तक कि चिकित्सा उपकरणों की जहां कुछ दिन पहले तक कमी हुआ करती थी आज हम पीपीई किट्स से लेकर एन95 मास्क और वेंटिलेटर का दुनिया के दूसरे देशों को निर्यात कर रहे हैं। उप राष्ट्रपति ने कोविड-19 टीका विकसित करने के लिए सरकार और वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में वह भी इतनी सस्ती कीमत में टीका विकसित किया जाना उल्लेखनीय उपलब्धि है।

नया स्ट्रेन कोरोना वैक्सीन को भी दे सकता है मात

लंदन, (एजेंसी)। ब्राजील में वायरस का बेहद जानलेवा स्वरूप सामने आया है। गत वर्ष अस्पताल में भर्ती 40 फीसदी मरीजों की मौत हो गई। यह पता चला है एक नई रिसर्च में। अब इस वायरस का ज्यादा संक्रामक नया स्ट्रेन फैलना शुरू हो गया है। यह वायरस पहले ही अमेरिका पहुंच चुका है जिससे दुनिया में दहशत का माहौल बनता जा रहा है। वहीं, वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि सुपर कोविड-19 वायरस का यह नया स्ट्रेन कोरोना वैक्सीन को भी मात दे सकता है। माना जा रहा है कि इसी खतरे से जूझ रहे ब्राजील के राष्ट्रपति ने भारत से जल्द से जल्द कोरोना वैक्सीन मंगवाई है।

ब्रासीलीना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के ताजा शोध से पता चला है कि देश के उत्तरी और उत्तरी-पश्चिमी इलाके में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद कमजोर हैं और बहुत कम लोगों तक ही स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच है। इस सुपर कोविड के नए रूप से इन इलाकों में कोरोना से मौतों का खतरा बढ़ता जा रहा है। शोध में कहा गया है कि उत्तरी और पश्चिमोत्तर इलाके में कोविड-19 से देश के दक्षिणी इलाके के मुकाबले मौत का ज्यादा खतरा है। यह जानने का अभी कोई जरिया नहीं है कि इस इलाके में संक्रमित मरीज कोरोना वायरस के नए वैरिएंट से संक्रमित थे या नहीं। ब्राजील का सुपर कोरोना वायरस स्ट्रेन ब्रिटेन पहुंच चुका है जो पहले ही कोरोना के नए स्ट्रेन से बेहाल है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कहना ठीक नहीं होगा कि ब्राजील का सुपर कोरोना वायरस अमेरिका तक नहीं पहुंचा होगा। अब तक ब्राजील में 83 लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। करीब दो लाख से ज्यादा लोग इस महमारी से ब्राजील में मारे जा चुके हैं। ब्राजील के जिस अमेजन राज्य से कोरोना का यह नया स्ट्रेन फैला है, वहां पर कोविड-19 के मरीजों से अस्पताल पट गए हैं। पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। ब्राजील के उपराष्ट्रपति हैमल्टिन मोउराओ ने सुपर कोविड को इन मौतों और मामलों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। मौतों के मामले में अब ब्राजील केवल अमेरिका से ही पीछे है। ब्राजील में कोरोना के केस लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। हालत यह है कि ऑक्सीजन खरीदने के लिए लंबी-लंबी लाइन लग रही है।

शोध के दौरान साल 2020 में फरवरी से अगस्त के बीच में ढाई लाख से ज्यादा कोरोना मरीज अस्पताल में भर्ती कराए गए। इनमें से करीब 47 फीसदी मरीज ऐसे थे जिनकी उम्र 60 साल से कम थी। ज्यादातर जगहों पर कोरोना वायरस से बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए जाने वाले लोग बुजुर्ग थे। शोध से पता चला है कि मारे गए ज्यादातर लोग बुजुर्ग थे। ब्राजील में अस्पताल में भर्ती 38 प्रतिशत मरीजों की संक्रमण से मौत हो गई। अमेरिका में यह आंकड़ा करीब 20 फीसदी है। पूरे ब्राजील में 60 साल से कम उम्र के लोगों के मरने का आंकड़ा 15 प्रतिशत है। शोध में कहा गया है कि उत्तरी और पश्चिमोत्तरीय इलाके में स्वास्थ्य सुविधाएं बहुत खराब हैं, इसलिए वहां ज्यादा मौत हुई है।गौरतलब है कि कोरोना वायरस का यह नया रूप ब्राजील के एक राज्य अमेजोनास से दुनियाभर में फैलना शुरू हुआ है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि यह सुपर कोविड वायरस गत वर्ष जुलाई महीने से ब्राजील में फैल रहा है।

अटक गया नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार

पटना, (एजेंसी)। नीतीश सरकार का मंगलवार को मंत्रिमंडल विस्तार नहीं होगा। इस बात का ऐलान खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल युनाइटेड के दफ्तर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं से बैठक करने के बाद किया। बैठक के बाद जब सीएम नीतीश पार्टी दफ्तर से निकले तो मीडिया ने उनसे मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सवाल पूछा इसपर उन्होंने कहा, मंगलवार को यह नहीं होगा, लेकिन जल्द होगा। दरअसल अभी तक यह अटकलें तेज थी कि मंगलवार की सुबह साढ़े ग्यारह बजे राजभवन में नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण होगा। सोमवार शाम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेडीयू दफ्तर पहुंचे तो सूत्रों के हवाले से खबर आई कि वो इसपर (मंत्रिमंडल विस्तार) यहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं से इस पर चर्चा करने आए हैं। बता दें कि रविवार की शाम बिहार बीजेपी के अध्यक्ष संजय जायसवाल और राज्य के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने एक अणे मार्ग जाकर सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। इनके बीच लगभग चालीस मिनट तक बैठक चली थी। बाद में सीएम आवास से बाहर निकलने पर जायसवाल ने मंत्रिमंडल विस्तार या मंत्रियों की सूची को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले। उन्होंने कहा था कि यह एक औपचारिक मुलाकात है। साथ ही उन्होंने मीडिया को सोमवार सुबह तक का इंतजार करने को कहा था। इससे यह कयास लगाए जाने लगे थे कि मंत्रिमंडल विस्तार जल्दी हो सकता है। बता दें कि वर्तमान में नीतीश सरकार में 13 मंत्री शामिल हैं, विस्तार के बाद 23 और मंत्रियों के शामिल होने की गुंजाइश है। अगर नीतीश की पिछली सरकार को देखें तो उसमें मुख्यमंत्री समेत कुल 35 मंत्री थे।

अफगानिस्तान में पासआउट परेड में शामिल होते हुए सैनिक।

राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले 12 अहम फैसले लेंगे बाइडेन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। जो बाइडेन के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के लिए तमाम प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब शपथ का इंतजार है। शपथ से पहले ही बाइडेन ने उन कार्यों की सूची तैयार कर ली है, जिसे वे शपथ वाले दिन ही पूरा करेंगे। बुधवार को शपथ लेने के तुरंत बाद बाइडेन करीब 12 अहम फैसले लेंगे। इन फैसलों का असर न सिर्फ अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा। बाइडेन के चीफ ऑफ स्टाफ बनने जा रहे रोन क्लेन के एक मेमो से खुलासा हुआ है कि कुर्सी पर बैठने के बाद पहले ही दिन बाइडेन 12 एग्जेक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर करेंगे। इन एग्जेक्यूटिव ऑर्डर के जरिए अमेरिका वापस पेरिस जलवायु समझौते से जुड़ जाएगा, साथ ही मुस्लिम देशों पर लगाया गया ट्रैवल बैन भी खत्म हो जाएगा।

बाइडेन पहले ही दिन अमेरिकी लोगों को कोरोना वायरस महामारी से जुड़ा राहत पैकेज भी देंगे। इसके तहत छात्रों के लोन पेमेंट को स्थगित रखने का फैसला लिया जाएगा। साथ ही बाइडेन सभी फेडरल प्रॉपर्टी पर मास्क पहनने को अनिवार्य कर देंगे। तमाम एग्जेक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर करने के साथ ही बाइडेन नए कानून और संसद से पास कराने के लिए नई योजनाओं पर भी काम कर रहे हैं। शपथ लेने के 100 दिन के भीतर बाइडेन संसद में एक नया इमिग्रेशन प्लान पेश करेंगे। इस योजना के तहत लाखों ऐसे प्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता दिए जाने का रास्ता साफ होगा जो बिना कागजात के अमेरिका में रह रहे हैं। बाइडेन ने कोरोना वायरस रिलीफ पैकेज के तहत 1.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता राशि दिए जाने का भी ऐलान किया है। बाइडेन ने यह भी कहा है कि वे चाहते हैं कि संसद सबसे पहले इसी मुद्दे पर काम करे।

पाकिस्तान ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के टीके को दी आपात इस्तेमाल की मंजूरी

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन प्रयोग की मंजूरी दे दी है। सरकार को उम्मीद है कि वर्ष की पहली तिमाही तक टीका उपलब्ध करा दिया जाएगा। पाकिस्तान में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या बढ़कर 519,291 हो गई है। जियो टीवी की एक खबर के अनुसार स्वास्थ्य मामले पर प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सहायक डॉ फैसल सुल्तान ने इसकी पुष्टि की कि पाकिस्तान औषधि नियामक प्राधिकरण (डीआरएपी) ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दे दी है। योजना मंत्री असद उमर ने कहा कि टीके को मार्च तक उतारा जाएगा। उमर देश के कोरोना वायरस नियंत्रण निकाय नेशनल कमांड एंड ऑपरेशंस सेंटर (एनसीओसी)के प्रमुख भी हैं। उमर ने कहा कि पहले चरण में, टीका स्वास्थ्य कर्मियों और 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों को दिया जाएगा। टीके को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है और यह एस्ट्राजेनेका द्वारा निर्मित है, जो एक ब्रिटिश-स्वीडिश बहुराष्ट्रीय दवा और बायोफर्मास्युटिकल कंपनी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में 43 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई है, जिससे देश में मृतक संख्या बढ़कर 10,951 हो गई है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,521 नए मामले सामने आने से देश में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 519,291 हो गई है।

अफ्रीका-सऊदी अरब के मरुस्थली इलाकों में बर्फबारी

सहारा, (एजेंसी)। विश्व में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां जनवरी का महीना शुरू होते ही हाड़कंपाने वाली की ठंड और बर्फबारी आरंभ हो जाती है। हालांकि अफ्रीका और मिडिल ईस्ट के मरुस्थली इलाकों में अक्सर ऐसा नहीं होता है। लेकिन इस साल अफ्रीका के सहारा में जमकर स्नोफॉल हुआ है और सऊदी अरब में टेंपरेचर माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है। इन इलाकों में मरुस्थल की पीली रेत बर्फ की सफेद चादर से ढक गई है।

सहारा मरुस्थल की रेत पर चढ़ी बर्फ की इस सफेद परत की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। खबरों के मुताबिक, सऊदी अरब के असीर क्षेत्र में रेगिस्तान में हुई इस दुर्लभ बर्फबारी को देखने स्थानीय निवासी और विदेशी पर्यटक आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जहां इलाके में बर्फबारी होते साफ देखा जा सकता है। वैसे देखा जाए तो आमतौर पर सर्दी के मौसम में यहां स्नोफॉल नहीं होता है।

सहारा के अइन सेफरा को मरुस्थल का द्वार कहा जाता है। समुद्र तल से करीब 1000 मीटर ऊंचाई पर स्थित ये इलाका एटलस माउंटेन से घिरा हुआ है। सहारा मरुस्थल उत्तरी अफ्रीका के अधिकांश हिस्से में फैला हुआ है। पिछले हजारों वर्षों में यहां के तापमान और नमी में बड़ा बदलाव देखा गया है।

अइन सेफरा अभी फिलहाल सूखा पड़ा है, लेकिन 15,000 साल बाद इस रेगिस्तान के एक बार फिर से हरे-भरे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, सऊदी अरब के असीर प्रांत में हुए इस दुर्लभ स्नोफॉल को लेकर यहां के लोगों ने अपनी खुशी और उत्सुकता जाहिर की है। यहां पहाड़ और रेत दोनों पर बर्फ की सफेद परत चढ़ी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके में करीब 50 साल बाद इतने निचले स्तर पर तापमान दर्ज किया गया है। दक्षिणी-पश्चिमी क्षेत्र में पारा माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क चुका है। मरुस्थल की सवारी ऊंट की भी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं।

मालूम हो कि रेगिस्तानी इलाकों में बर्फबारी बहुत कम देखने को मिलती है, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि यहां के लोग इससे बिल्कुल अनजान हैं। रात के वक्त यहां तापमान अचानक से नीचे गिर जाता है। अगले दिन की शुरूआत से पहले ही स्नोफॉल से फैली बर्फ भी पिघल जाती है।

सहारा के मरुस्थल में इस साल स्नोफॉल जरूर देखा गया है, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। साल 2018 में अइन सेफरा (अल्जीरियन सहारा का रेगिस्तानी शहर) जैसे मरुस्थली इलाकों में 40 साल में तीसरी बार इस तरह का स्नोफॉल हो चुका है।

सहारा के मरुस्थलों में जनवरी 2021 के अलावा, 2018, 2017 और आखिरी रिकॉर्डेड स्नोफॉल साल 1980 में हुआ था। वैसे जनवरी के सबसे ठंडे महीने में यहां का तापमान आमतौर पर 12 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। जुलाई में गर्मी बढ़ते ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ जाता है।

वहीं, सऊदी अरब के असीर क्षेत्र में करीब आधा दशक बीत जाने के बाद ऐसा स्नोफॉल देखा गया है। ताबुक सहित उत्तर-पश्चिम के पर्वतीय क्षेत्र में पारा ज्यादा नीचे गिरने से ठंड काफी बढ़ गई है। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों को ठंड से बचने की सलाह दी है।

कैपिटल में हिंसा करने वाली रैली के पीछे ट्रंप समर्थकों का हाथ

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव प्रचार मुहिम से जुड़े लोगों की वॉशिंगटन में उस रैली को आयोजित करने में अहम भूमिका थी, जिसने अमेरिकी कैपिटल में घातक हमला किया था। रिकॉर्डों की समीक्षा में यह बात सामने आई है। ट्रंप समर्थक गैर सरकारी संगठन विमेन फॉर अमेरिका फर्स्ट ने व्हाइट हाउस के निकट स्थित संघ के मालिकाना हक वाली जमीन इलिप्स में छह जनवरी को सेव अमेरिका रैली का आयोजन किया था, लेकिन नेशनल पार्क सर्विस द्वारा दी गई मंजूरी की सूची में छह से अधिक ऐसे लोग हैं, जो स्टाफकर्मी थे और जिन्हें ट्रंप की 2020 चुनाव प्रचार मुहिम ने कुछ ही सप्ताह पहले हजारों डॉलर का भुगतान किया था। इसके अलावा प्रदर्शन के दौरान घटनास्थल पर मौजूद कई लोगों के व्हाइट हाउस के साथ निकट संबंध हैं। चुनाव परिणाम में धांधली का आरोप लगाने वाले ट्रंप के इलिप्स में दिए भाषण और इससे पहले की टिप्पणियों के कारण कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में हिंसा भड़की थी। इसके बाद प्रतिनिधि सभा ने ट्रंप के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया। ट्रंप अमेरिका के इतिहास में पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं, जिनके खिलाफ दूसरी बार महाभियोग चलाया जा रहा है। जब विमेन फॉर अमेरिका फर्स्ट से पूछा गया कि इस रैली के लिए वित्तीय मदद किसने दी थी और ट्रंप की मुहिम की इसमें क्या संलिप्तता थी, तो उसने इन संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया। इस रैली में हजारों लोग शामिल हुए थे।

ट्रंप की प्रचार मुहिम ने एक बयान में कहा कि उसने समारोह आयोजित नहीं किया या उसे वित्तीय मदद नहीं दी तथा मुहिम का कोई भी सदस्य रैली के आयोजन में शामिल नहीं था। बयान में कहा गया है कि यदि किसी पूर्व कर्मी या मुहिम से स्वतंत्र रूप से जुड़े किसी व्यक्ति ने रैली में भाग लिया, तो उसने ट्रंप मुहिम के निर्देश पर ऐसा नहीं किया।

अरनब गोस्वामी चैट विवाद में इमरान खान की एंट्री

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। एक निजी समाचार चैनल के एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी की कथित वाट्सऐप चैट में बालाकोट का जिक्र होने के बाद उठे विवाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी कूद पड़े हैं। कश्मीरी आतंकवादियों को पालने वाले इमरान खान ने मोदी सरकार पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने चुनावी फायदे के लिए पूरे इलाके को संघर्ष की आग में झोंकने का काम किया।

इमरान खान ने ट्वीट कर कहा कि अरनब गोस्वामी कांड यह खुलासा करता है कि मोदी सरकार और भारतीय मीडिया के बीच अपवित्र रिश्ता है जो परमाणु हथियार से लैस इस क्षेत्र को संघर्ष की आग में झोंकना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कि मोदी सरकार फांसीवादी रवैया अपना रही है और उनकी सरकार इसका खुलासा करती रहेगी। इमरान ने दुनियाभर से मांग की कि वह भारत को सैन्य अजेंडे से रोके नहीं तो मोदी सरकार पूरे इलाके को ऐसे संकट में डाल देगी जिसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को भेजने वाले इमरान खान ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पाकिस्तानी पीएम ने दावा किया कि मोदी सरकार ने चुनावी फायदे के लिए बालाकोट को अंजाम दिया। उन्होंने वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र में दिए अपने एक भाषण का हवाला देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने बालाकोट का इस्तेमाल अपने घरेलू चुनावी फायदे के लिए किया।

इससे पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भी कहा था कि अरनब गोस्वामी पर हुए खुलासे ने भारत के भयावह सोच को उजागर कर दिया है। पाकिस्तान भी लंबे समय से यही कहता रहा है। उसने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम करने और देश में अतिराष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिए बीजेपी सरकार ने बालाकोट और सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया। इसका मकसद बीजेपी का चुनाव जीतना था।

इन कथित चैट्स से यह पता चलता है कि अर्नब को दो साल पहले बालाकोट में किए गए हमले की पहले से ही जानकारी भी थी। अर्नब ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) के पूर्व सीईओ पार्थ दासगुप्ता के साथ बातचीत में बोला था कि कुछ बड़ा होने वाला है। जब दासगुप्ता ने अर्नब से सवाल किया कि क्या उनका मतलब दाऊद से है, तो रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ ने बार्क के पूर्व सीईओ से कहा कि ...नहीं सर, पाकिस्तान इस बार... यह सामान्य हमले से बड़ा होगा। दासगुप्ता इस पर जवाब देते हैं कि यह अच्छा है। ये वॉट्सऐप चैट्स 23 फरवरी, 2019 की हैं।

6.2 तीव्रता के भूकंप से इंडोनेशिया में मचाई तबाही, अब तक 81 लोगों की मौत

ममूजू, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप के बाद घरों और इमारतों के मलबे में दबे लोगों की तलाश का काम सोमवार को बचावकर्मियों ने तेज कर दिया। भूकंप से 81 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा मोचन एजेंसी के प्रवक्ता रादित्य जति ने कहा कि भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित ममूजू शहर और सुलावेसी द्वीप पर माजेने में सबसे अधिक बचावकर्मी और स्वयंसेवक तैनात हैं।

उन्होंने बताया कि ममूजू में 70 और माजेने में 11 लोगों की मौत हुई है। वहीं करीब 27,850 लोगों का आश्रय स्थलों में रखा गया है। भूकंप की वजह से हुए हादसों में 800 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से करीब आधे लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। ट्रकों के जरिए इलाकों में पानी, खाद्य सामग्री और चिकित्सीय सामग्री पहुंचाई जा रही है।

बिजली आपूर्ति तथा फोन संचार सुविधाएं भी धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं। जति ने बताया कि भूकंप की वजह से माजेने में करीब 1150 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे पहले सन 2018 में पालू शहर में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था जिसके बाद सुनामी भी आई थी। तब चार हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

ग्वाटेमाला में पुलिस व सैनिक सड़क पर लगे अवरोधकों को तोड़कर जा रहे विस्थापितों को रोकने का प्रयास करते हुए।

इंडोनेशिया में एक इमारत के मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए पुलिस खोजी कुत्तों का सहारा लेती हुई।

प्राचीन मंदिर से मिला में महारानी का अमूल्य खजाना, हजारों साल पुरानी किताब से होंगे कई खुलासे

काहिरा, (एजेंसी)। पिरामिडों के अद्भुत देश मिस्त्र में एक प्राचीन मंदिर से महारानी का अमूल्य खजाना मिला है। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह मंदिर रानी नेइत का है जो 2323 ईसापूर्व से 2150 ईसापूर्व तक शासन करने वाले राजा तेती की पत्नी थीं। इस मंदिर की खोज मिस्त्र के पूर्व मंत्री और चर्चित पुरातत्वविद जही हवास के नेतृत्व में काहिरा के दक्षिण में स्थित सक्कारा कब्रिस्तान से पुरातत्वविदों के एक दल ने की है।

पुरातत्वविदों के इस दल को 52 लकड़ी के बने ताबूत भी मिले हैं। ये सभी न्यू किंगडम काल के हैं और 40 फुट की गहराई में मिले हैं। इसके अलावा इस स्थान से 13 फुट लंबा भोजपत्र मिला है जिसमें बुक ऑफ डेड की बातें लिखी हुई हैं। प्राचीन मिस्त्र में इस किताब के जरिए मृतकों को दूसरी दुनिया (अंडरवर्ल्ड) में भेजा जाता था। हवास ने बताया कि पुरातत्वविदों को दफनाने के स्थल, ताबूत और ममी मिली हैं जो न्यू किंगडम के काल की हैं। न्यू किंगडम ने मिस्त्र में 1570 ईसापूर्व से लेकर 1069 ईसापूर्व तक शासन किया था।

मिस्त्र के सक्कारा इलाके में एक दर्जन से ज्यादा पिरामिड हैं और पशुओं के दफनाने की जगह है। इसे यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल का दर्जा दिया है। हवास ने कहा कि तेती के पिरामडि के पास पिछले एक दशक से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर की खोज राजा तेती के पिरामिड के नजदीक हुई है जहां राजा को दफन किया गया था। सक्कारा स्थल प्राचीन मस्त्रि की राजधानी मेमफिस का हिस्सा है। इसी में विश्व प्रसिद्ध गीजा के पिरामिड स्थित हैं।

मेमफिस के अवशेषों को यूनेस्को हेरिटेज साइट का दर्जा प्राप्त है। हाल के दिनों में मिस्त्र ने कई खोजों को दुनिया के सामने पेश किया है और उसे उम्मीद है कि इस कोरोना काल में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। इससे पहले नवंबर महीने में 100 ताबूत मिले थे। ये करीब 2500 साल पुराने थे। उस समय पर्यटन मंत्री ने कहा था कि सक्कारा से सभी चीजें निकलना अभी बाकी हैं। हवास ने कहा कि इस ताजा खोज से न्यू किंगडम के दौरान सक्कारा के इतिहास के बारे में नई जानकारी मिलने की उम्मीद है।

10 महीने बाद स्कूल पहुंचे छात्र

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। दिल्ली में सोमवार से 10वीं एवं 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल खुल गए हैं। आगामी बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इन छात्रों के लिए स्कूल खोलने का निर्णय लिया है।

खास तौर पर बोर्ड परीक्षाओं से जुड़े प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट एवं प्रयोगशाला से जुड़ी गतिविधियों के मद्देनजर छात्रों को स्कूल आने की सुविधा प्रदान की गई है। दिल्ली में दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के स्कूल पहुंचने के उपरांत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, लम्बे वक्त के बाद दिल्ली के स्कूलों में बच्चों को फिर से पढ़ते देखना, मेरे लिए बेहद भावनात्मक क्षण है। बहुत मुश्किल वक्त को पीछे छोड़ फिर से स्कूल खुले हैं। उम्मीद है कि जल्द ही सब कुछ सामान्य होगा और सभी बच्चे स्कूल आकर अपने टीचर्स एवं दोस्तों से मिलेंगे। वहीं दिल्ली के शिक्षा मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, इतने लंबे समय के बाद स्कूलों में बच्चों से मिलना वास्तव में अच्छा लगा। छात्र अभी भी सुरक्षा मानदंडों के साथ स्कूल में वापस आने के लिए समायोजित कर रहे हैं, लेकिन अपने दोस्तों से मिलकर बहुत खुश हैं। 10वीं एवं 12वीं कक्षा के छात्रों को प्रयोगशाला इस्तेमाल करने की अनुमति भी प्रदान की गई है। छात्र यहां बोर्ड परीक्षाओं से जुड़े अपने प्रोजेक्ट तैयार कर सकेंगे।

बोर्ड परीक्षाओं की करेंगे तैयारी

लम्बे वक्त के बाद दिल्ली के स्कूलों में बच्चों को फिर से पढ़ते देखना, मेरे लिए बेहद भावनात्मक क्षण है : केजरीवाल

शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया दिल्ली के चिराग एनक्लेव स्थित कौटिल्य सर्वोदय बाल विद्यालय में स्कूल ओपनिंग की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। यहां मनीष सिसोदिया ने कहा, कक्षा 10 वीं और 12 वीं के उन छात्रों को शुभकामनाएं जो 10 महीने बाद आज अपने स्कूल जा रहे हैं। हालांकि यह केवल सीमित उद्देश्य के लिए और कोविड प्रोटोकॉल के साथ है, लेकिन फिर भी मुझे खुशी है कि दिल्ली में स्कूल खुल रहे हैं।

सिसोदिया ने स्कूलों का किया दौरा

कोरोना सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को एसकेवी, चिराग इन्क्लेव एवं डीपीएस, मथुरा रोड का दौरा करके फिर से स्कूल खोलने संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कोरोना से सभी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पूरे विद्यालय परिसर में सफाई के बेहतर इंतज़ाम का निर्देश दिया।

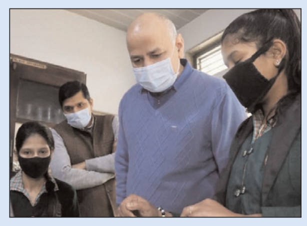

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दस महीने तक स्कूल बंद होने के बाद अब दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं की तैयारियों के लिए खोला जा रहा है। इसलिए स्कूलों को दोबारा खोलने संबंधी पूरी व्यवस्था करना आवश्यक है।उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अपने ज़ोन और जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में जाकर कोरोना से बचाव के सभी नियमों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हरकक्षा में सामाजिक दूरी का पालन किया जाए, सैनिटाइजर की उपलब्धता हो, एवं मास्क लगाना आवश्यक हो। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सीबीएसई ने दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं का एलान कर दिया है। प्रैक्टिकल और प्री-बोर्ड की तैयारी कराये बिना बच्चों को परीक्षा के लिए बुलाना अन्याय होगा। मई में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा से पहले छात्रों की बेहतर तैयारी और काउंसलिंग जरूरी है। इसलिए सतर्कता बरतते हुए स्कूलों को खोलने का निर्णय लिया गया है ताकि बच्चे विद्यालय के माहौल में रम सकें एवं बोर्ड परीक्षाओं के लिए पूरी तरह से तैयार हो सकें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पिछले एक साल के दौरान पढ़ाई में हुए नुकसान की भरपाई तो नहीं हो पाएगी, लेकिन बाकी बचे समय का सदुपयोग करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा पहला फोकस स्कूलों को अच्छी तरह खोलने और कोरोना से सुरक्षा पर है। इसके बाद हम रिजल्ट पर फोकस करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने बच्चों से जानना चाहा कि किस प्रकार उन्होंने स्कूल आने की अनुमति के लिए अपने अभिभावकों को किस तरह मनाया।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 161 नए मामले

संक्रमण दर 9 महीने के न्यूनतम स्तर पर

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)। बीते 24 घंटे के दौरान दिल्ली में कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए 50 हजार से अधिक कोरोना टेस्ट किए गए। जिन 50 हजार से अधिक व्यक्तियों को कोरोना टेस्ट किया गया। उनमें से केवल 161 व्यक्ति ही कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

हालांकि बीते 24 घंटे के दौरान दिल्ली में कोरोना वायरस से 8 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। दिल्ली सरकार के मुताबिक बीते 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कोरोना पॉजिटिविटी दर 0.32 फीसदी रही है। लगभग 9 महीनों में कोरोना की यह सबसे कम पॉजिटिविटी रेट है। जहां 24 घंटे के दौरान 161 नए कोरोना रोगी सामने आए हैं। वहीं इन्हीं 24 घंटों के दौरान इससे कहीं अधिक 362 कोरोना संक्रमित व्यक्ति स्वस्थ हुए हैं। दिल्ली सरकार ने सोमवार को जानकारी देते हुए कहा, दिल्ली में कोरोना की रोकथाम के लिए फिलहाल 2253 कोरोना हॉटस्पॉट बनाए गए हैं। इसके अलावा एडिशनल चीफ सेक्रेटरी ने कोरोना इंतजामों पर सभी कोरोना नोडल अधिकारियों और चीफ डिस्टिक मेडिकल ऑफिसर के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में पूरी दिल्ली के अंदर कोरोना के रोकथाम के उपायों पर चर्चा की गई। कोरोना की मौजूदा स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार का कहना है कि दिल्ली में अब कोरोना की तीसरी लहर समाप्त हो चुकी है। हालांकि सरकार ने अभी भी सभी लोगों से व्यापक सावधानी बरतने की अपील की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा, दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट काफी कम हुआ है। कोरोना की तीसरी लहर अब समाप्त हो चुकी है। अभी भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। सभी लोग मास्क जरूर लगाएं। पिछले डेढ़ महीने में कोरोना की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

हर्षवर्धन ने एम्स में 100 बेड वाले प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के नवनिर्मित बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक का उद्घाटन किया। इसे 'द फादर ऑफ प्लास्टिक सर्जरी' सुश्रुत को समर्पित किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने लॉन्च के बाद कहा, बड़ी आबादी के कारण, अधिकांश बर्न केयर सुविधाएं अति-व्यस्त हैं और अत्याधुनिक बर्न केयर नगण्य है। ऐसी स्वास्थ्य देखभाल सुविधा की सख्त आवश्यकता है, जो आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए उच्च गुणवत्ता की देखभाल प्रदान कर सके।

दक्षिणी निगम को अब तक नहीं मिली दिल्ली सरकार की राशिः राजदत गहलोत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के स्थायी समिति के अध्यक्ष राजदत गहलोत ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं पीडब्लूडी मंत्री सतेंद्र जैन द्वारा गुरुवार को 938 करोड़ रूपये जारी करने का दावा किया था, लेकिन अभी तक दक्षिणी निगम को कोई पैसा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यह स्पष्ट करें कि दक्षिणी निगम को कब तक ये राशि प्रदान की जाएगी और इस मद में यह राशि जारी होगी। दिल्ली सरकार ने यह भी नहीं बताया कि किस निगम को कितना हिस्सा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर यह राशि केवल वेतन अदायगी के लिए है, तो अनुदान की तीसरी किश्त कब दी जाएगी, जिससे कर्मचारियों को और वेतन देने में सहायता मिलेगी। दिल्ली सरकार के दोनों मंत्रियों ने दावा किया कि 938 करोड़ रुपए निगमकर्मियों के वेतन के लिए जारी किया है। लेकिन अभी तक उस पैसे का कोई अता-पता नहीं है।

उत्तरी दिल्ली के महापौर ने राम मंदिर निर्माण के लिए दिया योगदान

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए उनके द्वारा 1,00,100 रुपए का योगदान दिया गया है। उन्होंने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद से सुरेंद्र गुप्ता ने महापौर निवास आ कर भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए उनसे सहयोग मांगा था। महापौर ने बताया कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए जनसहयोग अभियान चलाया जा रहा है जिसकी शुरुआत उन्होंने महापौर निवास से की। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत घर-घर जा कर नागरिकों से सहयोग लिया जाएगा और कोई भी सक्षम व्यक्ति इस महान कार्य में अपना योगदान दे सकता है। महापौर ने बताया कि लीगल राइट्स काउंसिल के उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने 600 किलो धातु से बनी घंटी को भी अयोध्या भेजा था जिसे निर्माण कार्य पूरा होने पर राम मंदिर में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर के निर्माण कार्य पूरा होने पर यह एक आकर्षक का केंद्र होगा जिसे के दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु आएंगे।

ट्रैफिक पुलिस के चलान से बचने के लिए युवक बन गया फर्जी पुलिसकर्मी

(कुलदीप त्यागी)

नई दिल्ली। कीर्तिनगर थाना पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है तो मालवाहक वाहन का ड्राइवर है, लेकिन चलान से बचने के लिए खुद को पुलिसकर्मी बताता था। पुलिस ने आरोपी कल्याण सिंह के पास से फर्जी पहचान पत्र भी बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त दीपक पुरोहित ने बताया कि इलाके में कीर्तिनगर थाना एसएचओ देवेन्द्र कुमार अपनी टीम और स्थानीय यातायात पुलिस के साथ मिलकर संदिग्ध वाहनों की तलाशी व वाहन चालकों का कागजात की जांच कर रही थी। इसी बीच पुलिस टीम ने देखा कि एक वाहन चालक ने पुलिस की अनदेखी करते हुए गाड़ी को मौके से भगाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस कर्मियों ने वाहन चालक को रोका और उसकी तलाशी लेने लगे। इसी बीच आरोपी ने पुलिसकर्मियों को दिल्ली पुलिस का एक परिचय पत्र दिया। उसने कहा कि वह दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल है। पूछताछ के दौरान उसकी गतिविधि देखकर पुलिसकर्मियों को संदेह हुआ। छानबीन करने पर पुलिस ने पाया कि यह परिचय पत्र फर्जी है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कल्याण सिंह बताया। पुलिस के अनुसार कल्याण चालक है। उसने बुलंदशहर में फर्जी पहचान पत्र बनवाया था। मामले की तहकीकात जारी है।

पुलिस ने फर्जी पहचान पत्र भी बरामद किया

नई आबकारी नीति को भाजपा ने बताया जनविरोधी

(विवेक राय)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति को भाजपा ने जनविरोधी बताया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा शराब पिलाने की उम्र 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करना और देर रात तक शराब की दुकानों को खोलने की छूट देना सभ्य समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति से जहां दुर्घटनाएं बढ़ेंगी वहीं पर शराब पीने के प्रति लोगों का रुझान बढ़ेगा जिससे कई परिवार तबाही की कगार पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार लोगों को स्वच्छ जल मुहैया करा नहीं सकती, स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधार नहीं सकती, नए स्कूल-कॉलेज और अस्पताल

खोल नहीं सकती, लेकिन लोगों को शराब पिलाने और नए ठेके

'देर रात तक शराब की दुकानों को खोलने की छूट देना सभ्य समाज के लिए घातक सिद्ध होगा'

खोलने में लगी हुई है। जिससे उसकी मंशा स्पष्ट है कि वह दिल्ली के लोगों को किस दिशा में ले जाना चाहती है। आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार समाज विरोधी नई आबकारी नीति को तत्काल बदले और शराब पीने की उम्र को न घटाएं। यदि सरकार इस जनविरोधी नीति में बदलाव नहीं करती है तो भाजपा कार्यकर्ता मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे।

निगमों को उनका बकाया दे केजरीवाल सरकार : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने एक वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी हड़ताल पर हैं जिसका मुख्य कारण अरविन्द केजरीवाल हैं।

नगर निगम कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली रकम दिल्ली सरकार के माध्यम से निगमों को मिलती है, लेकिन भाजपा से नफरत करने वाली आम आदमी पार्टी इसका बदला निगम कर्मियों से ले रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम कर्मियों की सेलरी का वार्षिक बजट 2,196 करोड़ रुपए हैं जबकि साल 2019-2020 में केजरीवाल सरकार ने मात्र 144 करोड़ रुपए दिया है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम कर्मियों की सेलरी का वार्षिक बजट 4,000 करोड़ रुपया है जबकि दिल्ली सरकार ने साल 2019-2020 में सिर्फ 1,561 करोड़ रुपया दिया है। इसी प्रकार से दक्षिण दिल्ली नगर निगम कर्मियों की सेलरी का वार्षिक बजट 3,000 करोड़ रुपए हैं जबकि पिछले साल केजरीवाल सरकार केवल मात्र 416 करोड़ रुपए दिए हैं।

एमसीडी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं दी कैशलेस मेडिकल सुविधा : सौरभ भारद्वाज

(प्रवीण कुमार सिंह)

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा देने के लिए एक भी निजी अस्पताल का पंजीकरण ही नहीं किया और उनसे करोड़ों लेकर रुपए खा गई।

नार्थ एमसीडी ने 34 हजार कर्मचारियों से मेडिकल इंश्योरेंस के नाम पर 221 करोड़ रुपए और ईस्ट एमसीडी ने भी करोड़ रुपए ले लिया, लेकिन वे इलाज के लिए दर-दर भटक रहे है। उन्होंने कहा कि एमसीडी से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा नहीं मिलने पर हाईकोर्ट ने फटकार लगाई है और भाजपा शासित एसमीडी से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने कैशलेस मेडिकल सुविधा नहीं देने को उनके साथ

नार्थ एमसीडी ने 34 हजार कर्मचारियों से मेडिकल इंश्योरेंस के नाम पर 221 करोड़ रुपए लिए

धोखाधाड़ी बताया है। भाजपा शासित एमसीडी से सिर्फ दिल्ली वाले ही नहीं हैं, बल्कि कर्मचारी भी दुखी हैं। भाजपा नेता दिल्ली सरकार और कर्मचारियों से पैसा लेकर खा जाते हैं। पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कुछ दिनों पहले हम लोगों ने एक प्रेस कांफ्रेंस की थी, जिसमें हमने एमसीडी से सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के बारे में बताया था। हमने बताया था कि किस तरह से कोरोना की महामारी में एमसीडी शिक्षक और अन्य कर्मचारी जो सेवानिवृत्त हुए हैं, वो का इलाज के लिए दर-दर भटक रहे हैं। जबकि उनको एमसीडी द्वारा मेडिकल मेडिकल इंश्योरेंस और कैशलेस मेडिकल सुविधा मुहैया कराने का वादा किया गया था। हमारे भाजपा के जो नेता है, उनकी पुरानी आदत है कि एमसीडी के ऊपर जो बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगता है, इसको वे लोग सिरे से खारिज कर देते हैं और कहते हैं कि कोई भ्रष्टाचार ही नहीं हुआ है

सफाई कर्मचारियों ने महापौर से की मुलाकात

(एजेंसी)

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम की सफाई कर्मचारियों की कुछ यूनियनों से मुलाकात की। महापौर ने उनकी सभी मांगो पर सकारात्मकता से विचार करने का आश्वासन दिया। महापौर ने सफाई कर्मचारियों की यूनियनों से हड़ताल खत्म कर वापस कार्य पर लौटने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में साफ सफाई बनाए रखने में निगम के सफाई कर्मचारियों का अहम योगदान है। उन्होंने कहा की सफाई कर्मचारियों सभी मांगो को पूरा करने की दिशा में कार्य चल रहा है अतः सभी सफाई कर्मचारी हड़ताल खत्म कर अपने कार्य पर वापस लौटे।

■ कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों ने सोमवार को महिला किसान संकल्प दिवस मनाया इस मौके पर गाजीपुर बॉर्डर पर महिला कबड्डी मैच का भी आयोजन किया गया। किसान आंदोलन में महिलाएं ने बढ़ चढ़कर अपना योगदान दे रही हैं। वह प्रत्येक मोर्चे पर अब भी मजबूती के साथ डटी हुई हैं।

मांग सिसोदिया ने दिल्ली को जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर सहायता देने की मांग की

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्तमंत्री से करों में दिल्ली का वाजिब हिस्सा मांगा

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय वित्तमंत्री से केंद्रीय करों में दिल्ली को समुचित हिस्सा देने का अनुरोध किया है। उन्होंने केंद्रीय कर, केंद्रशासित राज्यों को केंद्रीय सहायता और आपदा प्रबंधन कोष में दिल्ली को जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर सहायता देने की मांग की है। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा बजट 2021-22 पर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्तमंत्रियों के साथ बजट पूर्व बैठक के दौरान श्री सिसोदिया ने यह मांग की। उन्होंने कहा कि 2001-02 से लेकर अब तक बीस साल में केंद्रीय करों में दिल्ली का हिस्सा मात्र 325.00 करोड़ रुपए पर सीमित रखा गया है।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र होने के साथ ही यहां विधानसभा भी है। लेकिन केंद्रीय वित्त आयोग के टर्म ऑफ रिफ्रेंस में दिल्ली को शामिल नहीं किया गया है। इसे केंद्रीय करों में मात्र 325.00 करोड़ रुपयों का तदर्थ अनुदान मिलता है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश की राजधानी होने और तेजी से बढ़ता महानगर होने के नाते दिल्ली सरकार पर विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की चुनौती है। साथ ही, व्यापक आबादी को सर्वोत्तम नागरिक सुविधाओं की आपूर्ति करना तथा सबको रोजगार के अवसर प्रदान करते हुए राजधानी में एक शानदार जीवन का अवसर प्रदान करना जरूरी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, परिवहन, सड़क और अस्पताल आदि में काफी निवेश की आवश्यकता है। विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय करों में दिल्ली को अपना वैध हिस्सा पाने का पूरा हक है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नियमानुसार वित्तवर्ष 2020-21 में 8150.00 करोड़ रुपये और वित्तवर्ष 2021-22 में 8555.00 करोड़ रुपये का आवंटन दिल्ली के लिए किया जाना चाहिए।

'दिल्ली को केंद्रीय करों में मिलता है मात्र 325.00 करोड़ का तदर्थ अनुदान'

बजट पूर्व बैठक में सिसोदिया ने यह भी कहा कि दिल्ली में पांच शहरी स्थानीय निकाय हैं। इनमें तीन बड़े नगर निगम हैं, जिनकी आबादी 39 लाख से 62 लाख के बीच है। दिल्ली में नगरपालिकाओं की शक्तियां और कार्य अन्य राज्यों में स्थानीय निकायों के समान हैं। दिल्ली के नगर निकायों की चूक के तकनीकी आधारों पर इन्हें बेसिक और परफोर्मेंस ग्रांट से वंचित करना स्थानीय स्वायत्त निकायों को मजबूत करने की संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के तीनों नगर निगम गंभीर आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और अन्य राज्यों के नगर निकायों की तरह इन्हें भी केंद्रीय सरकार से वित्तीय सहायता पाने का पूरा हक है। दिल्ली वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप दिल्ली राज्य सरकार अपनी शुद्ध कर आय का 12.5 प्रतिशत हिस्सा दिल्ली नगर निगमों को देती है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चैदहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2015-20 की अवधि में स्थानीय निकायों के लिए 2,87,436 करोड़ अनुदान का प्रावधान किया है। इस आधार पर हरेक नगर निकाय को प्रति-व्यक्ति, प्रति-वर्ष 488 रुपए मिलने चाहिए।

सहारा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सहारा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी व सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपरपज सोसाइटी को राहत देते हुए न केवल उनके खिलाफ सेंट्रल रजिस्ट्रार ऑफ को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के प्रतिबंधात्मक आदेशों पर स्टे लगाया, बल्कि सेंट्रल रजिस्ट्रार के समक्ष चल रही कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है।

चीफ जस्टिस डीएन पटेल व जस्टिस ज्योति सिंह की खंडपीठ ने स्टे लगाते हुए इस मामले में सेंट्रल रजिस्ट्रार को नोटिस भी जारी किया है। दोनों सोसाइटियों ने सेंट्रल रजिस्ट्रार के 22.07.2020, 24.09.2020 और 19.11.2020 के आदेशों को चुनौती दी थी, जिनके द्वारा दोनों सोसाइटी को नए डिपॉजिट लेने तथा मौजूदा सदस्यों के निवेश या जमा को नवीनीकृत करने से बाधित किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में दोनों को-ऑपरेटिव सोसाइटी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि मल्टी-स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज होने के नाते वो अपने सदस्यों के हितों के लिए सोसाइटी के उपनियमों के अनुसार तथा मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज एक्ट, 2002 के तहत बने नियम कानूनों के अधीन काम कर रही हैं।

संपादकीय

अमेरिका की साख पर बट्टा

रिपब्लिकन पार्टी क्या जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रही है, या राष्ट्रपति चुनाव में धांधली के उसके आरोप वाकई सही हैं? अमेरिकी संसद भवन 'कैपिटल हिल बिल्डिंग' की घटना इस बाबत काफी कुछ संकेत दे रही है। जो खबरें अब तक सामने आई हैं, उनके मुताबिक, रिपब्लिकन समर्थकों ने संसद भवन पर कब्जा करने की असफल कोशिश की, जिसमें उन्होंने हिंसा का भी सहारा लिया। लोकतंत्र के मंदिर पर इस हिंसक हमले का दुष्प्रभाव तो बाद के दिनों में पता चलेगा, लेकिन रिपब्लिकन समर्थकों की इस आक्रामकता के कई मकसद हो सकते हैं। पहली और बड़ी वजह रिपब्लिकन का सीनेट, यानी ऊपरी सदन में भी बहुमत खो देना है। सीनेट में 100 सदस्य होते हैं, और इसमें रिपब्लिकन सांसद डेमोक्रेट्स पर भारी थे। जॉर्जिया की दो सीटों को छोड़ दें, तो उसके 50 सदस्य सीनेट में थे। मगर हालिया चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने जॉर्जिया में जीत हासिल कर ली है। इसका मतलब है कि अब इस सीनेट में दोनों पार्टियों के बराबर-बराबर सांसद हो गए हैं। ऐसे में, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचला सदन) से पारित विधेयक आसानी से सीनेट से भी पास हो सकते हैं, क्योंकि मत-विभाजन की स्थिति में उप-राष्ट्रपति का शपथ लेने जा रहीं कमला हैरिस का मत निर्णायक होगा, जो डेमोक्रेट के पक्ष में ही जाएगा। इसमें कोई शक नहीं है कि अमेरिका के अंदर सामाजिक विद्वेष काफी ज्यादा बढ़ गया है। राष्ट्रपति चुनाव में भी हमने यह देखा है।

स्थिति यह है कि श्वेत नस्ल के नागरिक अपना अलग आंदोलन चलाते हैं, तो अश्वेत अलग तरीके से अपने हक-हुकूक की आवाज बुलंद करते हैं। यहां नस्लीय भेदभाव की समस्या बेशक पहले से रही है, लेकिन ट्रंप के शासनकाल में यह ज्यादा गहरी हुई है। इसका असर राजनीति में भी दिख रहा है और तमाम समुदाय अपने-अपने प्रतिनिधित्व की मांग करने लगे हैं। चूंकि दो साल बाद फिर से कुछ सीटों के लिए सीनेट के चुनाव होंगे, इसलिए रिपब्लिकन पार्टी सदन में फिर से बहुमत के लिए जोर आजमाइश करना चाहेगी। यह पार्टी चाहेगी कि चुनाव में पूरे दम-खम से मुकाबला किया जाए, ताकि सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी को 'मनमर्जी' करने से रोका जा सके। लिहाजा संसद भवन पर हमला अपने समर्थकों में जोश भरने की मंशा से किया गया कृत्य हो सकता है। रिपब्लिकन यह कभी नहीं चाहेंगे कि डेमोक्रेट उन नीतियों को बदलने की सोचें, जो ट्रंप शासनकाल में बनाई गई हैं। वे डेमोक्रेट को यह संदेश देना चाहते होंगे कि ऐसी किसी कवायद में उसे हिंसक विरोध तक झेलना पड़ सकता है, और अगर अगले सीनेट चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी ने बाजी मार ली, तो किसी भी बिल को पारित कराना डेमोक्रेट के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा। एक मकसद रिपब्लिकन पार्टी का अपने सांसदों को संदेश देना भी हो सकता है। दरअसल, कांग्रेस में मुद्दों के आधार पर दोनों पार्टियां एक-दूसरे का समर्थन करती रही हैं। कभी-कभी तो आलाकमान के खिलाफ भी ऐसा किया जाता है। रिपब्लिकन नेतृत्व को संभवतः यह डर हो कि कांग्रेस के उसके प्रतिनिधि यदि डेमोक्रेट का समर्थन करने लगेंगे, तो वह पार्टी पर अपनी पकड़ खो सकते हैं। फिर, एक संदेश उन सीटों के संभावित प्रतिनिधियों को भी देना हो सकता है, जहां दो साल बाद चुनाव होने वाले हैं। संभव है, रिपब्लिकन नेतृत्व स्थानीय इकाइयों की दखलंदाजी के बिना अपने तईं प्रतिनिधियों का चयन करना चाहता होगा। अब सवाल यह है कि इस हिंसक घटनाक्रम का बाइडन प्रशासन पर क्या असर पड़ेगा? इसका ठीक-ठीक पता तो जनवरी के दूसरे पखवाड़े में चलेगा, जब जो बाइडन अमेरिका के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। मगर ऐसा लगता है कि अमेरिका की विदेश नीति में हाल-फिलहाल शायद ही कोई फेरबदल हो। मुमकिन है कि बाइडन उन्हीं नीतियों का पोषण करेंगे, जो रिपब्लिकन शासनकाल में बनाई गई हैं। हां, घरेलू मोर्चे पर कुछ बदलाव देखे जा सकते हैं। मगर यहां भी जो नीतियां 'ऑटोमेटिक मोड' में हैं, यानी कांग्रेस से पास हो चुकी हैं और जिनको तय वक्त में लागू किया जाना अनिवार्य है, उनकी राह में कोई बाधा शायद ही डाली जाएगी। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि उन रिपब्लिकन सांसदों को डेमोक्रेट अपने पक्ष में करना चाहेंगे, जो उनके प्रति उदार रुख रखते हैं।

इसके अलावा, बाइडन प्रशासन सामाजिक तनाव को कम करने का प्रयास भी गंभीरता से कर सकता है। अश्वेतों के प्रति डेमोक्रेटिक पार्टी का रवैया नरम रहा है, इसलिए यह माना जा रहा है कि अगली सरकार में उनके हितों को पर्याप्त तवज्जो दी जाएगी। बाइडन प्रशासन इस दिशा में इसलिए भी आगे बढ़ना चाहेगा, क्योंकि कैपिटल हिल बिल्डिंग पर हमले की एक बड़ी वजह आम लोगों में बढ़ती नस्लीय तनातनी भी है। मगर नई सरकार की ताजपोशी में अब भी 10 से अधिक दिनों का वक्त बाकी है। इस बीच क्या अमेरिका यूं ही बगावत की आग में जलता रहेगा? इसका जवाब रिपब्लिकन नेतृत्व और उनके पुराने राष्ट्रपतियों के रुख से मिल सकेगा। अगर वे निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव बनाते हैं, तो संभव है, यह मामला यहीं थम जाए। अमेरिकी लोकतंत्र की सेहत के लिए भी ऐसा किया जाना जरूरी है। मगर ऐसा नहीं हुआ, तो घरेलू मोर्चे के साथ-साथ इस घटना का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खासा असर पडेग़ा। वहां अमेरिका की हैसियत घट सकती है। इतना ही नहीं, वह अभी कई वैश्विक मुद्दों में भी उलझा हुआ है। चीन के साथ 'ट्रेड वार' की आग भी वक्त-वक्त पर धधक उठती है। ऐसे में, कांग्रेस के रुतबे को कमतर करना कई मामलों में उसकी सर्वोच्चता को कमजोर कर सकता है। उम्मीद है, ट्रंप प्रशासन इस आरोप के साथ अपनी विदाई नहीं चाहेगा।

प्रवीण कुमार सिंह

एक कार्ड या अंतरराष्ट्रीय मसला, चीन को घेरने की रणनीति बना रहा अमेरिका

> **लेकिन यहां अहम प्रश्न यह है कि अमेरिका चीन के विरुद्ध इस मोर्चे पर सचमुच गंभीर है या यह महज दिखावटी क्रोध है। अभी तक अमेरिका चीन के विरुद्ध एक कार्ड के रूप में तिब्बत का उपयोग करता रहा है। यानी लक्ष्य कुछ और रहा मगर कारण तिब्बत बना। वर्ष 1950 से 1972 तक शीत युद्ध के दौरान अमेरिका की मंशा साम्यवादी खेमे की घेरेबंदी करने की थी, क्योंकि उसे डर था कि चीन तिब्बत को अपने कब्जे में लेकर साम्यवाद का प्रसार पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में करेगा। वर्ष 1973 में निक्सन और किसिंजर की जोड़ी ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित कर विश्व राजनीति की धारा को ही मोड़ दिया।**

तिब्बत के मसले पर अमेरिका एक बार फिर चीन को घेरने की कोशिश कर रहा है। ठीक इसी तरह की कोशिश वर्ष 2018 में भी की गई थी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सच में अमेरिका दलाई लामा की खंडित प्रतिष्ठा को स्थापित करना चाहता है या महज एक नौटंकी है, जो अंतरराष्ट्रीय दंगल में एक दूसरे को परेशान करने के लिए खेला जाता है। दरअसल पिछली सदी के छठे दशक से लेकर आज तक अमेरिका की कोई स्थायी तिब्बत नीति नहीं रही है। समय और परिस्थिति के साथ नियम बदलते रहे हैं। जब दलाई लामा की अंतरराष्ट्रीय पहचान जोरों पर थी, अमेरिका सहित पूरे यूरोप के बीच सबसे पसंदीदा शख्सियत के रूप में उनकी पहचान होती थी। उस समय अमेरिका ने चीन के साथ अपने संबंधों की शुरुआत कर दलाई लामा की योजना को खटाई में डाल दिया था। फिर हॉलीवुड और सिविल सोसायटी तक ही दलाई लामा की पहुंच सीमित हो गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चीन के साथ अपने संबंधों को लेकर काफी विवादास्पद रहे। अब जब उनकी विदाई 20 जनवरी को होगी तब क्या नए राष्ट्रपति भी तिब्बत के मुद्दे को लेकर चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में होंगे? यह प्रश्न सबसे अहम है? इसलिए भारत सहित दुनिया के कई देश इस मुद्दे को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन बाद की परिस्थितियों को समझने के लिए पहले यह जानना जरूरी है कि यह कानून है क्या? चीन किसलिए इतना कुंठित है? क्या हो सकता है? भारत की क्या भूमिका होगी? चीन और अमेरिका के बीच जारी तनातनी और बीजिंग की ओर से मिल रही चेतावनियों को दरकिनार करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने उस कानून पर हस्ताक्षर कर दिए हैं जो तिब्बतियों को उनके धर्मगुरु दलाई लामा के अगले उत्तराधिकारी को चुनने का हक देता है। 'द तिब्बत पॉलिसी एंड सपोर्ट एक्ट' को अमेरिकी कांग्रेस ने पिछले हफ्ते ही पास किया था जिससे चीन बुरी तरह चिढ़ गया और उसके विदेश मंत्रलय ने इस कानून को चीन के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी की कोशिश बताया था। चीन के विदेश मंत्रलय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, 'हम अमेरिका से आग्रह करते हैं कि वह चीन के अंदरूनी मामलों में दखल न दे और इन नकारात्मक कानूनों पर हस्ताक्षर करने से बचे। बीजिंग अमेरिका के इस कानून को स्वीकार नहीं करता और तिब्बत से जुड़े मुद्दे हमारे घरेलू मामले हैं।'

दरअसल अमेरिका के कानून में तिब्बत के ल्हासा में अमेरिकी दूतावास खोलने की मांग की गई है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि तिब्बतियों को 14वें दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का पूरा अधिकार है। वहीं, दलाई लामा को अलगाववादी बताने वाला चीन कहता है कि तिब्बत के धर्मगुरु के चुनाव में बीजिंग की स्वीकृति लेना जरूरी है। हालांकि तिब्बत चीन के इस दावे को नहीं मानता। नए कानून के तहत तिब्बत के मामलों पर अमेरिका के राजनयिक को यह अधिकार दिया गया है कि अगले दलाई लामा का चयन सिर्फ तिब्बती बौद्ध समुदाय द्वारा किया जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन कर सकता है। इसमें तिब्बत में तिब्बती समुदायों के समर्थन में गैर-सरकारी संगठनों को सहायता का प्रस्ताव है। इसमें अमेरिका में नए चीनी वाणिज्य दूतावासों पर तब तक पाबंदी की बात है, जब तक तिब्बत के ल्हासा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की स्थापना नहीं की जाती।

यह कानून अमेरिकी सरकार को चीन के वैसे किसी भी अधिकारी पर आर्थिक और वीजा पाबंदियां लगाने का निर्देश देता है जो दलाई लामा के उत्तराधिकारी के विषय में दखल देता है। इस कानून में चीन पर तब तक अमेरिका में कोई भी नया वाणिज्यिक दूतावास खोलने से रोक है, जब तक अमेरिका को तिब्बत में अपना राजनयिक कार्यालय खोलने की अनुमति मिल नहीं जाती है। तिब्बत पर चीन की चढ़ाई के बाद वहां से भागकर दलाई लामा 1959 से भारत की शरण में रह रहे हैं। उनके साथ ही उनके हजारों अनुयायी भी हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रहते हैं। फिलहाल करीब 80 हजार तिब्बती भारत में रह रहे हैं। इसके अलावा दुनियाभर खासतौर पर अमेरिका और यूरोप में भी करीब डेढ़ लाख से ज्यादा तिब्बतियों ने शरण ली हुई है। उल्लेखनीय है कि इस नए अमेरिकी कानून पर ट्रंप के हस्ताक्षर करने से चीन की परेशानी बढ़ेगी, क्योंकि इस कानून से उन चीनी अधिकारियों पर वीजा पाबंदी लगाने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा जो अमेरिकी नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और पत्रकारों को तिब्बत के निर्वासित आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के गृह क्षेत्र तिब्बत जाने की अनुमति नहीं देते हैं। यह कानून अमेरिका के राजनयिकों, अधिकारियों व पत्रकारों को तिब्बत में जाने का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्रपति द्वारा विधेयक पर हस्ताक्षर करने से पहले अमेरिकी सीनेट और प्रतिनिधि सभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। ट्रंप ने यह कदम ऐसे वक्त में उठाया है जब चीन इस संबंध में कानून को लेकर अमेरिका से सख्त कूटनीतिक प्रतिरोध जता चुका है। तिब्बत का मुद्दा अमेरिका और चीन के बीच समुद्री लहर की तरह कभी ऊपर उठता है तो कभी अचानक गुम हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण आयाम भारत की भूमिका और तिब्बत के सामरिक महत्व को लेकर है। जब अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों की गति में तेजी आती है, चीन को पसीना निकलने लगता है। कारण होता है तिब्बत। चीन की सामरिक सोच यह रही है कि तिब्बत पर अमेरिका अपने बूते उसे कोई भी बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा सकता, क्योंकि अमेरिका चीन से बहुत दूर है। इसी कारण वर्ष 1950 के आसपास अमेरिका ने खंपा विद्रोहियों को हवा देकर तिब्बत को स्वतंत्र करने का असफल प्रयास किया था। नेहरू के चीन प्रेम या गुटनिरपेक्षता ने अमेरिकी पहल को भारत का समर्थन मिलने की राह बंद कर दी थी, इसलिए यह प्रयास फेल हो गया था। चीन मानता है कि भारत के पास इतना भी दम-खम नहीं है कि वह तिब्बत को आजाद करा सके। लेकिन चीन की बेचैनी तब बढ़ जाती है, जब भारत और अमेरिका एक साथ खड़े दिखाई देते हैं। उसे लगने लगता है कि तिब्बत खतरे में है और उसकी सुरक्षा को भेदा जा सकता है, तो वह मतभेद भुलाने और दोस्ती बढ़ाने की बात करता है।

लेकिन यहां अहम प्रश्न यह है कि अमेरिका चीन के विरुद्ध इस मोर्चे पर सचमुच गंभीर है या यह महज दिखावटी क्रोध है। अभी तक अमेरिका चीन के विरुद्ध एक कार्ड के रूप में तिब्बत का उपयोग करता रहा है। यानी लक्ष्य कुछ और रहा मगर कारण तिब्बत बना। वर्ष 1950 से 1972 तक शीत युद्ध के दौरान अमेरिका की मंशा साम्यवादी खेमे की घेरेबंदी करने की थी, क्योंकि उसे डर था कि चीन तिब्बत को अपने कब्जे में लेकर साम्यवाद का प्रसार पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में करेगा। वर्ष 1973 में निक्सन और किसिंजर की जोड़ी ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित कर विश्व राजनीति की धारा को ही मोड़ दिया। चीन को पूर्व सोवियत संघ के विरुद्ध प्रयोग में लाने की जोर आजमाइश की जाने लगी। इस तरह तिब्बत का मसला खटाई में पड़ गया, लेकिन वियतनाम की घटना के बाद तिब्बत का मुद्दा अमेरिका में फिर उछला।

चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता और भारत की सकारात्मक छवि के कारण भी देश में एफडीआइ बढ़ा है

नया वर्ष 2021 देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) बढ़ने की संभावनाओं के शुभ संकेत लेकर आया है। हाल में संयुक्त राष्ट्र आिर्थक एवं सामाजिक परिषद द्वारा जारी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में एफडीआइ के रुझान और परिदृश्य 2020-21 शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 के प्रकोप के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बन गई है। बीते दिनों उद्योग संगठन एसोचैम के समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि वर्ष 2020 में कोरोना आपदा के बीच देश में बड़े ऐतिहासिक आिर्थक सुधार हुए हैं और उनसे भारत में विदेशी निवेश बढ़ने लगा है। 1500 से अधिक पुराने और बेकार कानूनों को खत्म कर नए एवं सरल कानूनों तथा विभिन्न आिर्थक मोर्चों पर सुधारों के दम पर निवेश के मामले में भारत को लेकर दुनिया का नजरिया बदला है। अब निवेशक 'भारत क्यों' की जगह 'भारत ही क्यों नहीं' कहने लगे हैं।

निस्संदेह 2021 में भारत में एफडीआइ बढ़ने का सुकूनभरा परिदृश्य दिखाई दे रहा है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के आंकड़ों के अनुसार भारत में एफडीआइ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर के दौरान 15 प्रतिशत बढ़कर 30 अरब डॉलर हो गया। पिछले वर्ष 2019-20 में इसी अवधि के दौरान एफडीआइ 26 अरब डॉलर रहा था।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास संगठन (अंकटाड) की वैश्विक निवेश रिपोर्ट-2020 के मुताबिक भारत 2019 में सबसे अधिक एफडीआइ आकर्षित करने वाले देशों की सूची में नौवें स्थान पर रहा। वर्ष 2018 में भारत इस सूची में 12वें स्थान पर था। यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में एफडीआइ बढ़ने के साथ-साथ एफडीआइ वाले क्षेत्रों का भी विस्तार होता गया है। डीपीआइआइटी के मुताबिक 2019-20 के दौरान 49.97 अरब डॉलर के कुल निवेश में से सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक 7.85 अरब डॉलर का एफडीआइ आया। जिन अन्य प्रमुख क्षेत्रों में एफडीआइ आया, उनमें कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में 7.67 अरब डॉलर, व्यापार क्षेत्र में 4.57 अरब डॉलर, दूरसंचार क्षेत्र में 4.44 अरब डॉलर, वाहन क्षेत्र में 2.82 अरब डॉलर, निर्माण क्षेत्र में दो अरब डॉलर और रसायन क्षेत्र में एक अरब डॉलर का एफडीआइ प्रमुख है।

एफडीआइ प्रवाह की दृष्टि से विभिन्न देशों के योगदान को देखें तो वर्ष 2019-20 में सिंगापुर से सर्वाधिक 14.67 अरब डॉलर का एफडीआइ आया। यह लगातार दूसरा वित्त वर्ष है जब भारत में सर्वाधिक एफडीआई सिंगापुर के रास्ते से आया। इसके अलावा मॉरीशस से 8.24 अरब डॉलर, नीदरलैंड से 6.5 अरब डॉलर, अमेरिका से 4.22 अरब डॉलर, केमेन द्वीप से 3.7 अरब डॉलर, जापान से 3.22 अरब डॉलर और फ्रांस से 1.89 अरब डॉलर का एफडीआइ आया। भारतीय उद्योग परिसंघ और ईवाइ के एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि देश में आर्थिक सुधार, बाजार की क्षमता, कुशल श्रमबल और राजनीतिक स्थिरता ऐसे प्रमुख कारण हैं जो भारत को विदेशी निवेश के लिए पसंदीदा स्थान बनाते हैं।

निश्चित रूप से बीते वर्ष में कोविड-19 की चुनौतियों का सामना करने के लिए ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की बुनियाद पर आधारित आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 29.87 लाख करोड़ रुपये के पैकेज से जिस तरह अर्थव्यवस्था पटरी पर आने लगी है, उससे विदेशी निवेश प्रवाह बढ़ने लगा है। सरकार ने पिछले छह वर्षों में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए कई ऐतिहासिक सुधार भी किए हैं। टैक्स रिफॉर्म हुए हैं। जीएसटी लागू हुआ है। कॉरपोरेट कर में बड़ी कमी की गई है। साथ ही बड़े आयकर सुधार लागू हुए हैं। देश में आधार बायोमीट्रिक परियोजना, कृषि क्षेत्र में बुनियादी सुधार और रेलवे, बंदरगाहों तथा हवाई अड्डों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण जैसी विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को लागू किया गया है। इनसे भी एफडीआइ प्रवाह बढ़ा है।

प्रवासी भारतीयों को घरेलू निवेशक के रूप में अनुमति दिए जाने से भी भारत एफडीआइ के लिए और अधिक आकर्षक देश बन गया है। इतना ही नहीं केंद्र सरकार ने कई क्षेत्रों में 100 प्रतिशत तक एफडीआइ की अनुमति दी है। इसके साथ ही सरकार ने रक्षा, निर्माण क्षेत्र के विकास, बीमा, बिजली क्षेत्र, बुनियादी ढांचा, पेंशन, वित्तीय सेवाओं, प्रसारण, नागरिक उड्डयन, फार्मास्युटिकल्स, ट्रेडिंग जैसे कई क्षेत्रों में एफडीआइ संबंधी नीतिगत सुधार लागू किए हैं। केंद्र सरकार विभिन्न श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में तब्दील करने की महत्वाकांक्षी योजना को आकार देने में सफल रही है। ऑनलाइन ईएसआइसी और ईपीएफओ पंजीकरण जैसे कदमों से कारोबारी माहौल को और भी बेहतर किया गया है। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' नीति के तहत देश में कारोबार को गति देने के लिए कई सुधार किए गए हैं। निवेश और विनिवेश के नियमों में परिवर्तन भी किए गए हैं। देश में तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश के लिए भी विदेशी निवेशक आर्किषत हुए हैं। देश के नवाचार में आगे बढ़ने से भी एफडीआइ बढ़ा है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक 2020 में भारत चार पायदान ऊपर चढ़कर 48वें स्थान पर पहुंच गया है। कोविड-19 के कारण चीन के प्रति बढ़ती हुई नकारात्मकता और भारत की सकारात्मक छवि के कारण भी भारत में एफडीआइ प्रवाह बढ़ा है।

कैसे कम हो तनाव

आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे ने मंगलवार को सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ-साफ कहा कि हमें एक साथ दो मोर्चों पर खतरे का सामना करने के लिए खुद को तैयार रखना होगा। वास्तव में हमारी सेना पिछले कुछ समय से दोहरी चुनौती का मुकाबला कर रही है। एक तरफ पाकिस्तान से लगी एलओसी पर गोलीबारी और आतंकी घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं, दूसरी तरफ चीन से लगी एलएसी पर भी हालात सामान्य होने की कोई संभावना नहीं दिख रही। हालांकि सेना के जवान दोनों मोर्चों पर लगातार चुस्ती बनाए हुए हैं और इसके लिए निश्चित रूप से वे तारीफ के हकदार हैं, मगर सीमा पर, खासकर दो-दो सीमाओं पर एक साथ लंबे समय तक तनाव के हालात बने रहना कोई सामान्य बात नहीं है। यह जिम्मेदारी राजनीतिक नेतृत्व की है कि सीधी बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए सीमा पर शांति और न्यूनतम भरोसे की स्थिति बहाल करे। दुर्भाग्यवश चीन और पाकिस्तान, दोनों ही मामलों में फलदायी कूटनीतिक संवाद की कोई प्रक्रिया नजर नहीं आ रही। हालांकि भारत ने वैश्विक मंचों पर अपनी बात सशक्त ढंग से रखने में कोई कोताही नहीं बरती है। बीते मंगलवार को विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक मंत्रिस्तरीय बैठक में आतंकवाद के सवाल पर चीन और पाकिस्तान दोनों को आईना दिखाया। अंतरराष्ट्रीय मंचों से ऐसी घेरेबंदी हमेशा उपयोगी होती है। लेकिन इसका असल फायदा तभी होता है जब इससे बनने वाले दबाव का इस्तेमाल द्विपक्षीय बातचीत में किया जा सके। पाकिस्तान के मामले में पिछले कुछ वर्षों का हमारा अनुभव देखा जाए तो उसकी घेरेबंदी करने में हम काफी हद तक सफल रहे हैं। लेकिन उसकी कमजोर स्थिति का फायदा उठाकर उससे अपनी कोई बात नहीं मनवा पाए हैं। चीन के मामले में अच्छी बात यह है कि न केवल उससे बातचीत के सारे चैनल खुले हैं बल्कि व्यापारिक गतिविधियां भी लगभग पहले जैसी ही चल रही हैं। मगर वहां भी इन प्रक्रियाओं का कोई उपयोग सीमा पर तनाव कम करने में नहीं हो पा रहा है। वैसे चीन के साथ तनाव का भारत समेत पूरी दुनिया को यह फायदा जरूर हुआ है कि ताकत के बल पर किसी को भी झुका ले जाने वाली चीन की दबंग छवि इससे मटियामेट हो गई है।

मगर भारतीय सेना की इस उपलब्धि के बाद आगे की भूमिका निभाने के लिए कूटनीति को ही सामने आना होगा। हमें इस पहलू पर भी विचार करना चाहिए कि इस तनाव का उपयोग पाकिस्तान ने चीन से अपनी सामरिक घनिष्ठता बढ़ाने में किया है, जबकि चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में अपना रेलवे और डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में जुटा है। उनके बरक्स हमें अपने संसाधन सिर्फ दोनों मोर्चों पर यथास्थिति बनाए रखने में खपाने पड़ रहे हैं। जाहिर है, भारत के लिए आगे की चुनौती यही है कि हम अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता पर कोई समझौता किए बगैर सीमा पर तनाव

जहां मौलाना ही मंदिर ध्वंस की मानसिकता वाले हों उस पाक में पंथनिरपेक्षता की कल्पना नहीं की जा सकती

> **पाकिस्तान में हिंदुओं के प्रति घृणा भाव है। उन्हें सताना और अपमानित करना पाकिस्तानी एजेंडा है। इसी मानसिकता के कारण पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के लिए कोई मानवाधिकार भी नहीं। मुद्दा एक मंदिर को क्षति पहुंचाने का नहीं है। मूलभूत प्रश्न है कि आखिर इस्लामी राजनीतिक विचारधारा में मूर्ति और मंदिर तोड़ने की मानसिकता क्यों है। दुनिया में अनेक पंथ, मत, मजहब और विश्वास हैं। सबको अपने अंतःकरण और विश्वास के अनुसार जीने का अधिकार क्यों नहीं है। दुनिया 21वीं सदी में जा रही है, लेकिन यह विचारधारा मंदिर गिराने को ही पवित्र काम मानती है। यह अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए।**

मंदिर भारतीय आस्तिकता की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति है। यह दिव्य शक्तियों को आकाश से धरती पर बसाने की आध्यात्मिक अभिलाषा है। मंदिर भारतीय मन के शिखर कलश हैं। भारत के लोग दुनिया में जहां-जहां पहुंचे, वहां-वहां मंदिर हैं। भारत में लाखों मंदिर हैं। करोड़ों श्रद्धालु उनके दर्शन से आश्वस्ति पाते हैं। भारत विभाजन के पहले आज के पाकिस्तानी भूभाग में भी सहस्त्रों मंदिर थे। पाकिस्तान बनने के बाद हिंदू वहां अल्पसंख्यक हो गए। उन्हें अपनी संस्कृति और परंपरा के अनुसार जीवनयापन का अधिकार नहीं है। ऑल पाकिस्तान हिंदू अधिकार आंदोलन के सर्वेक्षण के अनुसार 428 प्रमुख हिंदू मंदिरों में से 20 ही शेष बचे हैं। 1992 में लगभग एक हजार मंदिरों पर हमला हुआ। 2014 में लरकाना के मंदिर पर और 2019 में भी मंदिरों पर हमले हुए। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर नाराजगी व्यक्त की थी। कुछ दिन पूर्व ही पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में मंदिर तोड़ा गया। एक मौलाना मोहम्मद शरीफ ने वहां मंदिर गिराने की अपील की और कहा कि हिंदू उपासना स्थल गिराया जाना पवित्र कर्तव्य है।' मौलाना पाकिस्तान के जमायत उलेमा इस्लाम फजल संगठन के नेता हैं। इस वारदात से दुनिया भर के करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।भारत ने इसका कड़ा प्रतिवाद किया है। पाकिस्तान को याद दिलाया कि यह घटना पहली नहीं है। मंदिरों और हिंदुओं को आहत करने वाली मानसिकता बहुत पुरानी है। तालिबान ने बामियान में बुद्ध की मूर्तियां तोड़ी थीं। तब तालिबानी मुखिया

मुल्ला उमर ने अपनी मजहबी कट्टरता को स्पष्ट करते हुए कहा था कि असली इबादत सिर्फ अल्लाह की होती है, इसलिए गैर इस्लामी इबादतगाहों को तोड़ दिया जाना चाहिए। 13वीं सदी में चंगेज खां और तैमूर लंग ने भी इसी तर्क के साथ मूर्ति भंजक कार्यक्रम चलाए थे। महमूद गजनी ने सोमनाथ पर धावा बोला था। उसके इतिहासकार उतवी ने 'तारीखे यामिनी' में लिखा 'नदी का रंग काफिरों के खून से लाल हो गया।' मथुरा की लूट के वर्णन में वही इतिहासकार लिखते हैं कि सुल्तान ने हुक्म दिया कि सभी मंदिरों को आग लगाओ। उतवी के अनुसार 'कन्नौज के आसपास सैकड़ों मंदिर थे। हमलावरों द्वारा मूर्तियों की दुर्गति का हाल देखकर नगरवासी भाग निकले।' कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1196 में गुजरात और 1202 में कालिंजर लूटा। मंदिर गिराए गए। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को भी गिराया गया था। अयोध्या और काशी के कृत्य सारी दुनिया जानती है। दिल्ली में कई मंदिरों को तोड़कर कूवतुल इस्लाम नाम की मस्जिद बनाई गई। उत्तर भारत में मध्यकाल के पहले के मंदिर साबुत नहीं मिलते हैं।

भारत और पाकिस्तान के हजारों मंदिरों का ध्वंस मूर्ति-मंदिर भंजक मानसिकता का ही परिणाम है। संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय चार्टर में अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति पालन का अधिकार मिला है। पाकिस्तान यह अधिकार नही देता। वहां अल्पसंख्यक विशेषकर हिंदू उत्पीड़न और धर्मांतरण के शिकार हैं। वे अपने घर में भी उत्सव नहीं कर सकते। उनकी लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार होता है।हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की रिपोर्ट हिंदूज इन साउथ एशिया के सर्वे आफ ह्यमुन राइट (2013) में उल्लेख है कि भारत विभाजन के समय आज के पाकिस्तान वाले हिस्से में हिंदू आबादी 15 प्रतिशत थी जो 1998 में 1.6 प्रतिशत रह गई। हिंदुओं के साथ हर तरह से भेदभाव होते रहे हैं। उन पर अत्याचार जारी हैं। यही स्थिति रही तो अगले 35-40 वर्षों में पाकिस्तान में नाम के हिंदू ही शेष रह सकते हैं। यह स्थिति उस भूखंड में दिखाई पड़ रही है, जहां वैदिक सभ्यता का विस्तार एवं विकास हुआ था। सिंधु सभ्यता मूल वैदिक सभ्यता का ही विकास थी।

पाकिस्तान घोषित इस्लामिक राष्ट्र है। उसका संविधान इस्लाम को राजधर्म घोषित करता है। सभी नागरिकों को कानून व सार्वजनिक आदेशों के अधीन धर्म पालन व प्रचार का अधिकार भी है, पर सभी कानून कुरान और सुन्नत में निर्धारित इस्लामी आदेशों के अनुरूप हैं। संविधान गैर मुस्लिमों के राजनीतिक अधिकार सीमित करता है। पाक सरकार और कट्टरपंथी हिंदुओं पर हमलावर रहते हैं। वहां संविधान में अंतर्विरोध हैं कि इस्लाम के सिद्धांतों को मानते हुए ही यहां अल्पसंख्यकों के सामान्य अधिकारों का संरक्षण होगा। पंथनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय जैसे तत्व पाक में मान्य नहीं। सुन्नत और इस्लामी राजनीतिक विचारधारा में पंथनिरपेक्षता के लिए जगह नहीं है। डॉ. मुशीरुल हक ने 'धर्मनिरपेक्ष भारत में इस्लाम' में लिखा है, 'मुसलमान का यकीन है कि यह ईश्वरीय ज्ञान उसे सारी दुनिया में फैलाना है तो वह उन लोगों को सम्मान की दृष्टि से नहीं देख सकता जिन्हें वह पथभ्रष्ट मानता है।'

कुछ समय पहले पाकिस्तान की एक संसदीय समिति ने भी कहा था कि सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम रही है। मंदिर जलाना सामान्य घटना नहीं है। इस अग्निकांड के कर्ताधर्ता कोई सामान्य नागरिक नहीं हैं। वह मौलाना हैं। जहां मौलाना ही गैर-इस्लामी उपासना केंद्र को ढहाने को फर्ज बताते हैं वहां पंथनिरपेक्षता या बहुलता की कल्पना भी नहीं की जा सकती, लेकिन आश्चर्य है कि भारत में छोटी-छोटी घटनाओं की भी निंदा करने वाले सेक्युलर इस घटना पर मौन हैं। निस्संदेह भारत के कड़े प्रतिवाद का प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ा है। सूबे के मुख्यमंत्री महमूद खान ने घोषणा की है कि सरकार इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराएगी।

पाकिस्तान में हिंदुओं के प्रति घृणा भाव है। उन्हें सताना और अपमानित करना पाकिस्तानी एजेंडा है। इसी मानसिकता के कारण पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के लिए कोई मानवाधिकार भी नहीं। मुद्दा एक मंदिर को क्षति पहुंचाने का नहीं है। मूलभूत प्रश्न है कि आखिर इस्लामी राजनीतिक विचारधारा में मूर्ति और मंदिर तोड़ने की मानसिकता क्यों है। दुनिया में अनेक पंथ, मत, मजहब और विश्वास हैं। सबको अपने अंतःकरण और विश्वास के अनुसार जीने का अधिकार क्यों नहीं है। दुनिया 21वीं सदी में जा रही है, लेकिन यह विचारधारा मंदिर गिराने को ही पवित्र काम मानती है। यह अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। आखिरकार सभी मनुष्य अपने-अपने विश्वास के अनुसार जीवनयापन के लिए स्वतंत्र क्यों नहीं हैं? अंतःकरण और विश्वास की स्वतंत्रता और उसकी अभिव्यक्ति दुनिया के प्रत्येक मनुष्य का अधिकार है। कोई भी समूह इस अधिकार को छीन नहीं सकता। संयुक्त राष्ट्र को पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर अलग से विचार करना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

पं. दीनदयाल वन की क्षतिग्रस्त पुलियाओं की हुई मरम्मत

विधायक की तत्परता के लिए दीनदयाल बोरवन क्लब ने माना आभार

संत हिरदाराम नगर। संत नगर के पंडित दीनदयाल वन की क्षतिग्रस्त पुलियाओं की मरमत का कार्य सोमवार से शुरू हो गया। यह कार्य हुजूर विधायक और प्रोटेम स्पीकर की तत्परता के कारण हो सका है। यह बात क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी द्वारा जारी बयान में कहीं है। हाल ही में 50 लाख के विकास कार्यों के अंतर्गत 5 पुलियाओं का निर्माण हुआ था। कुछ ही समय मे इन पुलियाओं में दरारें दिखने लगी थीं। जिसकी शिकायत बोरवन क्लब अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने विधायक से की, तदनुसार तुरंत कार्यवाही करते हुए, पुलियाओं की ठोस मरम्मत की गई। टेंडर प्राप्त ठेकेदार का कहना था, ये पुलियाएं अधिक पानी के कारण यह कमजोर हो गयी थीं, पर हमने इसको भविष्य में ऐसी शिकायत न आये ऐसा बना दिया है। क्लब अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने कहा, हम हो रहे कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। जन हित में हो रहे कार्यों में किसी भी तरह की कोताई बरदाश्त नहीं की जाएगी। विधायक एवं प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा की तत्परता व सहयोग का क्लब ने आभार व्यक्ति किया है।

बैरसिया रोजगार मेला में 327 युवाओं का चयन

भोपाल । बैरसिया में सोमवार को आयोजित रोजगार मेला में 10 कंपनियों ने 327 युवाओं का चयन किया है। मध्यप्रदेश सरकार के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयासों को जिले में लगातार सफलता मिल रही है। शासकीय सेवा के साथ निजी उपक्रमों में भी भोपाल के युवाओं का चयन हो रहा है। श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव एसडीएम बैरसिया के निर्देशन एवं एडीशनल एसपी ने ग्राम पंचायत भवन नजीराबाद में रोजगार मेले का शुभारंभ किया। ग्राम नजीराबाद के रोजगार मेले में 10 कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें 335 युवाओं ने पंजीयन कराया। 327 युवाओं को रोजगार के लिए चयन किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रभारी रामबाबू साहू, केदार तोमर विकासखंड बैरसिया ने रोजगार मेले में युवाओं को उचित मार्गदर्शन दिया। रोजगार मेले में अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन किया।

सेंट्रल पंचायत ने सौंपा ज्ञापन

तीन ट्रेनों के स्टापेज शुरू करने की सांसद से मांग

संत हिरदाराम नगर। संस्था सिंधी सेंट्रल पंचायत ने संत नगर स्टेशन से खत्म किए गए तीन ट्रेनों के स्टापेज को फिर से शुरू करने की मांग सांसद से की है। पंचायत महासचिव सुरेश जसवानी ने बताया कि सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व ट्रेन क्रमांक 08233 बिलासपुर इंदौर एक्सप्रेस, ट्रेन नम्बर 09340 भोपाल दाहोद एवं ट्रेन क्रमांक 0297 जयपुर चैन्नई एक्सप्रेस का स्टापेज था, लेकिन लाकडाउन के बाद जब इन्हें पुनः शुरू किया गया है, तब तीनो ट्रेनों का संत हिरदाराम नगर स्टेशन स्टापेज नहीं रखा गया है। चाहे जयपुर हो या चैन्नई, भोपाल से दाहोद जाने वाली पेंसेजर एवं इंदौर से बिलासपुर तीने ट्रेनों में बड़ी संख्या में यात्री संत हिरदाराम नगर स्टेशन से सवार होते थे, जिन्हें स्टापेज खत्म करने के बाद भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने आश्वस्त किया है कि वे तीनों ट्रेनों का स्टापेज बहाल करवाने के लिए अधिकारियों के साथ ही हो सका तो दिल्ली में रेल मंत्री से भेंट करेंगी।

नन्हे नचिकेत ने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए समर्पित की अपनी गुल्लक की बचत

भोपाल। इन दिनों भोपाल के शास्त्री नगर इलाके में महिला स्वयं सेविकाएं घर घर जाकर आम जनमानस को भावनात्मक रूप से श्री राम मंदिर निर्माण से जोड़ने का कार्य कर रहीं हैं। वे घर घर जाकर अयोध्या में श्री राम जन्म स्थान पर बनने वाले भव्य मन्दिर के और इसके लिए हुए सदियों के संघर्षों और त्याग के बारे में लोगों को अवगत कराती हैं और मन्दिर निर्माण हेतु समर्पण निधि का संग्रहण भी करती हैं। इसी सिलसिले में जब स्वयं सेविकाएं श्रीमती कविता अनुरागी, श्रीमती अर्चना वैद्य और अन्य सखियाँ जब देश की ख्यात चित्रकार श्रीमती शोभा घारे के निवास पर पहुँची तो उनका 9 वर्षीय नाती, नचिकेत करजोतकर बाहर आया और अपनी माँ श्रीमती स्वतंत्रा करजोतकर के कान में कुछ फुसफुसा कर बोला। माँ की आंखों में गर्व और चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। वे बोली कि 10 मिनट और रुकियेगा और वे नचिकेत के साथ घर से बाहर निकल गयी। किसी के कुछ समझ नहीं आ रहा था कि माज़रा क्या है पर जब थोड़ी देर बाद या माँ बेटे वापस लौटे तो माँ का हाथ थामे नचिकेत ने पाँव पड़कर पूरे एक हजार कविता अनुरागी के हाथ मे रख दिये। नचिकेत की माँ बोलीं की ये मेरे कान में बोला था कि आई मैंने अपनी गुल्लक तोड़ दी है उसमें 952 रुपए निकले हैं जो मैं आपकी सहमति से श्री राम मंदिर के निर्माण के लिए देना चाहता हूँ, पर उसमें चिल्लर ज्यादा है, तो क्या आप मोहल्ले की दुकान से इस चिल्लर को नोट में बदलवा कर इन आंटी को दे सकती हैं। बस हम दोनों वही चिल्लर लेकर नोट ने बदलवाने गए थे। आप ये समर्पण राशि नचिकेत की और से स्वीकार कर लीजिए। सब आवाक थे, पर नचिकेत मुस्कुरा रहा था।

मां नंदा देवी पर केन्द्रित प्रदर्शनी आज से

भोपाल। संग्रहालय द्वारा मंगलवार से मां नंदा देवी राज जात हिमालय की देवी की अनुष्ठानिक विदाई पर केन्द्रित प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी के संयोजक डॉ आरएम नयाल ने बताया की उत्तराखंड में नंदा देवी पर्वत शिखर, रूपकुंड व हेमकुंड नंदा देवी के प्रमुख पवित्र स्थलों में एक हैं। कैनोपनिषद में हिमालय पुत्री के रूप में हेमवती का उल्लेख मिलता है। जिनमें शैलपुत्री नंदा को योग माया व शक्ति स्वरूपा का नाम दिया गया है। मां नंदा को सुख समृद्धि देने वाली हरित देवी भी माना गया है। मां नंदा देवभूमि उत्तराखंड की अगाध आस्था का पर्याय है। यही कारण है कि यहां कई नदियों, पर्वत श्रृंखलाओं व नगरों के नाम भी मां नंदा के नाम पर रखे गए हैं। मां नंदा की पूजा शक्ति स्वरूपा मा पार्वती के रूप में की जाती है। नंदा देवी मेला भाद्र माह की शुक्ल षष्ठी से प्रारंभ होता है। इसी दिन मा नंदा की पूजा की जाती है। देवी का अवतार जिस पर होता है उसे देवी का डंगरिया कहा जाता है।

आधुनिकता और विकास के साथ-साथ आचरण और संस्कारों से भी स्मार्ट बनिये

टीटी नगर जिनालय में मुनिसंघ के सानिध्य में श्री भक्तांमर विधान के माड़ने पर हुए अर्घ्य समर्पित

भोपाल (एजेंसी)।

वर्तमान में हमारी भाषा, वेशभूषा भोजन और भावना का ह्रास होना गहरी चिंता का विषय है जीवन में बौद्धिक और नैतिक विकास में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों, संस्कृति और भाषा का अत्याधिक महत्व है । बदलते समय में आधुनिकता और विकास के साथ-साथ संस्कारों और उच्च आचरणों को जीवन में अपनाकर अपने अन्दर व्यक्तित्व में स्मार्टनेस लाओ उक्त उद्गार स्मार्ट सिटी जिनालय टी.टी. नगर में व्यक्त करते हुए मुनिश्री अजित सागर महाराज ने कहा कि जबतक हमारे जीवन में पाप से डर नहीं होगा, हम अपने जीवन को उज्जवल नहीं बना सकते, हमारा सम्पूर्ण जीवन हमारी प्रवृत्ति से संचालित होता है प्रवत्तियां मन वचन काय से संचालित होती हैं, जैसे हम बोलते हैं सोचते हैं वैसे कर्म हमारे बनते जाते हैं । आज प्रत्येक मनुष्य के अन्दर अपार संभावनायें छिपी हुई हैं लेकिन उन संभावनाओं को तलाशकर उनका उपयोग अत्यंत आवश्यक है । हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है पर स्वयं सभी अपनी प्रतिभाओं से अनभिज्ञ हैं, जरूरत है प्रतिभाओं को उजागर करने की पर आज सभी एक-दूसरे की आलोचनाओं में लगे हुए हैं। आलोचना करना सरल है पर अपनी शक्ति को आलोचना में न लगाकर भविष्य की संभावनाओं को तलाशने में लगायें । मुनिश्री ने प्रकृति, विकृति, दुष्कृति और संस्कृति पर कहा कि हमारी यात्रा प्रकृति से संस्कृति की ओर होना चाहिये । पर गहरी चिंता का विषय है कि वर्तमान समय में हम अपनी भाषा, सस्कृति और संस्कारों से छेड़छाड़ करते हुये अपनी स्वयं की उन्नति के साथ-साथ देश की उन्नति के लिये भी घातक बन रहे हैं । दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी अंशुल जैन ने बताया कि मुनिश्री अजित सागर महाराज, एलक दयासागर महाराज, एलक विवेकानन्द सागर महाराज के सानिध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर टीटी नगर (स्मार्ट सिटी) में दो दिवसीय श्री भक्तांमर विधान एवं शांति महाआराधना महोत्सव के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से विधान के माड़ने पर अर्घ्य समर्पित किये विधानाचार्य ब्रह्ममचारी पारस भैया के निर्देशन में धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान से सम्पन्न हुये । जिनालय में महावीर नवयुवक मण्डल के तत्वावधान में 24 घण्टे का अखण्ड भक्तांमर पाठ का संगीतमय वाचन हुआ ।

गो पालन, वनों, पहाड़ों की रक्षा का संदेश दिया श्री कृष्ण ने

भोपाल। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बाल्यकाल में की गयी समस्त लीलाएं रहस्यमयी तो थी ही साथ में मानव समाज, राष्ट्र एवं संसार के लिए कोई न कोई महत्वपूर्ण संदेश भी देती थीं जीवन जीने के लिए हजारों वर्ष पूर्व गो पालन वनों की रक्षा गोवर्धन पूजन के माध्यम से पहाड़ो की रक्षा निरोगी काया के लिए शुद्ध खानपान का संदेश भगवान ने हमें दिया। पहाड़ों से विभिन्न प्रकार की औषधियां, बनों से लकड़ी, गाय से शुद्ध दूध घी मक्खन पनीर छाछ मनुष्य को निरोगी रखता था देश की अर्थव्यवस्था में गोपालन का बड़ा स्थान था लेकिन वर्तमान कृषि यंत्रों ने गाय बैलों की तरफ से ध्यान हटा दिया जिससे शुद्ध अनाज भी हमें प्राप्त नहीं होता । सुखी जीवन एवं देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक भारतीयों को गोपालन में अपना योगदान देना होगा। सिंधी कॉलोनी हनुमान मंदिर में चल रही श्री मद भागवत कथा के पंचम दिवस पंडित रमाशंकर शास्त्री ने व्यक्त किये। कथा में गोवर्धन पूजन भगवान श्रीकृष्ण की बाल्य काल की अनेक लीलाओं का वर्णन महाराज श्री के द्वारा किया गया। इस अवसर पर व्यास पीठ की पूजा एवं गोवर्धन महाराज के सजीव स्वरूपों की आरती पंडित राम जीवन दुबे, ज्ञानी हरजीत सिंह, महंत अनिलानंद, प्रियंक नोडियाल एवं प्रमोद नेमा आदि ने की।

रीवा-केवड़िया तथा वाराणसी-केवड़िया के मध्य साप्ताहिक महामना सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन शुरू

भोपाल । रेलवे द्वारा रीवा से केवड़िया तथा वाराणसी से केवड़िया के मध्य महामना सुपरफ़ास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। ये गाड़ी भोपाल मण्डल के इटारसी स्टेशन पर हाल्ट लेगी। गाड़ी संख्या 09105 केवड़िया-रीवा सुपरफ़ास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 22 जनवरी से अगली सूचना तक प्रति शुक्रवार को केवड़िया स्टेशन से 18.55 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 9.25 बजे इटारसी आएगी। ये गाड़ी दूसरे दिन 17.15 बजे रीवा स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09106 रीवा-केवड़िया सुपरफ़ास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 23 जनवरी से अगली सूचना तक प्रति शनिवार को रीवा स्टेशन से 20.55 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 4.00 बजे इटारसी पहुंचेगी। ये गाड़ी उसी दिन 17.40 बजे केवड़िया स्टेशन पहुँचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनो दिशाओं में बड़ोदरा, भरूच, सूरत, आमलनेर, जलगांव, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर रुकेगी।इस गाड़ी में 1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 2 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी 1 रसोई यान एवं 2 जनरेटर कार सहित कुल 20 डिब्बे रहेंगे।

केवड़िया–वाराणसी साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल आज से चलेगी

भोपाल। गाड़ी संख्या 09103 केवड़िया–वाराणसी सुपरफास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 19 जनवरी से अगली सूचना तक प्रति मंगलवार को केवड़िया स्टेशन से 18.55 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 9.25 बजे इटारसी पहुँचेगी। ये गाड़ी दूसरे दिन 23.10 बजे वाराणसी स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09104 वाराणसी–केवड़िया साप्ताहिक सुपरफ़ास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 21 जनवरी से प्रति गुरुवार को वाराणसी स्टेशन से 5.25 बजे प्रस्थान कर 18.20 बजे इटारसी पहुँचेगी। ये गाड़ी अगले दिन 9.15 बजे केवड़िया स्टेशन पहुँचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में बड़ोदरा, भरूच, सूरत, नंदूरबार आमलनेर, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर रुकेगी। इस गाड़ी में 1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 2 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी, 1 रसोई यान एवं 2 जनरेटर कार सहित कुल 20 डिब्बे रहेंगे।

बाबूलाल प्रजापति अध्यक्ष बने

बैरसिया। दक्ष प्रजापति सेवा कल्याण समिति बैरसिया द्वारा प्रजापति समाज का नववर्ष मिलन समारोह एवं बैरसिया प्रजापति समाज अध्यक्ष एवं नवयुवक मंडल अध्यक्ष निर्वाचन को लेकर रविवार को प्रजापति धर्मशाला बैरसिया में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मध्य प्रदेश कुम्भकार संघ अध्यक्ष एवं सदस्य गण करोद प्रजापति कल्याण समिति अध्यक्ष एव सदस्य गण प्रजापति संघ विदिशा अध्यक्ष एवं सदस्य गण प्रजापति संघ शमशाबाद अध्यक्ष एवं सदस्य गण दक्ष प्रजापति सेवा कल्याण संघ अध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति दौलत राम चक्रधर नारायण प्रजापति वसई बटन लाल प्रजापति डॉ लालजी प्रजापति कैलाश प्रजापति लक्ष्मण प्रजापति कालूराम प्रजापति मुन्नी लाल चक्रधर सीताराम प्रजापति सहित बड़ी संख्या में प्रजापति समाज के लोग मौजूद थे । सभी सामाजिक बन्धुओं ने सर्व सम्मति से बाबूलाल प्रजापति को बैरसिया प्रजापति समाज का अध्यक्ष चुना एव भूरा लाल प्रजापति को प्रजापति नवयुवक मंडल बैरसिया का अध्यक्ष चुना गया। बाबू लाल प्रजापति को बैरसिया प्रजापति समाज अध्यक्ष एवं भूरा लाल प्रजापति को नवयुवक मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर उपस्थित सभी लोगों ने पुष्पमालाएं पहनकर बधाई दी।

नवाचार में झलकना चाहिए शोध यही सबसे बड़ा कर्तव्य बोध

भोपाल (एजेंसी)।

स्वामी विवेकानंद की जयंती से मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा पूरे प्रदेश में शुरू किए गए कर्तव्य बोध कार्यक्रम यथावत जारी है। सोमवार को खरगोन जिले में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर पूरे जिले के शिक्षकों ने कर्तव्य बोध कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री छत्रवीर सिंह राठौड़ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने नारा दिया था कि उठो जागो और कर्म करो। तब तक मत ठहरो जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए।

समय इसी रास्ते पर चलते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में पूरी ताकत से काम करना है। राठौड़ ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षक की सबसे बड़ी पूंजी है। इस कारण शिक्षक एक कुम्हार की भूमिका निभाते हुए कक्षा में बच्चों के पठन.पाठन को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमेशा कुछ नया करने की दिशा में कार्य करें। ऐसा नवाचार किया जाए जिसमें शोध की झलक दिखाई दे। संगठन के प्रांत अध्यक्ष लखीराम इंगले ने कहा कि मौजूदा समय शिक्षकों के लिए चुनौतियों भरा हैए लेकिन हमें धैर्य नहीं खोना है। पूरे साहस के साथ कार्य करते हुए जहां हमें बच्चों का भविष्य बनाना है वहीं दूसरी ओर अपने अधिकारों की लड़ाई भी सरकार से लड़ना है।

बच्चों के पठन-पाठन को मजबूत बनाने के लिए शिक्षक संघ के प्रोग्राम जारी

उन्होंने कहा है कि हमें अपने कर्तव्य पालन में पीछे नहीं रहना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खरगोन जिला अध्यक्ष रमेशचंद्र पाटीदार ने कहा कि इतिहास गवाह है कि मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने राष्ट्रीय हित शिक्षा हित और छात्र हित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य किया है। आगे भी हमारा यह अभियान जारी रहना चाहिए। इस प्रकार के प्रयास जरूरी है। जिला सचिव महेश सेतु ने कार्यक्रम का संचालन किया।

भगवान दास ढालिया का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर स्वागत

भोपाल, एजेंसी । भाजपा के वरिष्ठ नेता और सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदास ढालिया को जिला अध्यक्ष सूमित पचोरी और पूर्व महापौर आलोक शर्मा की अनुशंसा पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने भाजपा गुरु नानक मंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजय पवार को महामंत्री राजा भोज और मुरली डाबी को कार्यसमिति सदस्य वीर सावरकर मंडल में नियुक्ति किया है। इस दौरान वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा, ओमप्रकाश बोराणा, पवन कुंदन लाल बोराणा, जीनगर सभा के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष हरगोविंद सांखला, हरिओम आसेरी, कैलाश सोनगरा आम्रपाली आदि ने इन्हें बधाई दी। साथ ही एक कार्यक्रम आयोजित कर भगवानदास ढालिया को महेश डाबी (मोती) द्वारा साफा पहनाकर, पुष्प हार और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर जीनगर सभा के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग लाल चौहान, अजय पवार, मुरली डाबी, प्रेम पवार, देवेंद्र चौहान, राजेश आसेरी, अशोक पवार, और शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के अध्यक्ष अशोक साकले, राजकुमार सांखला, बैरागढ़ जीनगर समाज के पूर्व अध्यक्ष रमेश निर्वाण और विभिन्न सामाजिक संगठनों आदि ने बधाई देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेताओं का आभार जताया।

सोलेशियम फण्ड से आर्थिक सहायता दी गई

भोपाल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेटअविनाश लवानिया ने अनुविभागीय अधिकारी नजूल बैरागढ़ वृत्त नगर से प्राप्त प्रकरण के आधार पर सोलेशियम फण्ड 1989 के प्रावधानों के अंतर्गत श्री रंग घोडके व्यंटकी आत्मज श्री घोडक को 12 हजार 500 रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं।

ए ब्लू स्काई सोसायटी की आम सभा सम्पन्न

सदस्यों के योगदान से मानव सेवा का संकल्प होगा पूरा

भोपाल (एजेंसी)। समाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था, ए. ब्लू स्काई एजूकेशन सोसायटी की सभा का आयोजन संस्था कार्यालय ब्लू स्काई परिसर, कोलार रोड़ भोपाल में सम्पन्न हुआ। मानव धर्म को सर्वोपरि मानने वाली इस संस्था के सदस्य समय-समय पर अपने कार्यों की समीक्षा करते हैं। इसके अलावा भविष्य में कल्याणकारी गतिविधियों में अपने योगदान पर भी चर्चा करते हैं। इस बार आयोजित सभा में संस्था के कोषाध्यक्ष ने वर्ष 2019-20 का अडिटेड लेखा प्रस्तुत कर अनुमोदन लिया। साथ ही वर्ष 2020-21 के लिए अनुमानित 9.50 लाख का बजट प्रतुत किया, जिसको कि सदस्यों के दान से प्राप्त कर पूर्ण किये जाने का संकल्प लिया। संस्था द्वारा साई रसोई नाम से एक नए कार्यक्रम की शुरुआत करने का संकल्प पारित हुआ, जिसमें दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूरों को सस्ती दर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। यह कार्यक्रम 21 अप्रैल 2021 से प्रारम्भ करने का निश्चय किया गया है।

संस्था के अध्यक्ष एवं सचिव ने बताया कि सदस्यों के योगदान व सहयोग से संस्था का मानव सेवा का संकल्प पूरा करने का प्रयास जारी रहेगा। संस्था द्वारा सीताराम रसोई के माध्यम से प्रतिदिन 40 से अधिक विकलांग, वृद्ध एवं निराश्रित लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इनमें से 15 पैकेट भोजन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलार में दिया जा रहा है। संस्था के उपाध्यक्ष ने बताया कि 2 बच्चियों को संस्था द्वारा पढ़ने के लिए प्रति माह मदद की जा रही है। इस वर्ष दस हजार रुपए की मदद कैंसर रोगी को दी गई, इसी प्रकार ये कार्य आगे भी करते रहने का निश्चय हुआ।

हर माह दान का लिया संकल्प

बैठक में ओम प्रकाश गुप्ता और मनीष श्रीवास्तव द्वारा एक हजार रुपए प्रति माह एवं नारायण मीणा, खिलौना बाई, संतोष गोविंद, एसपीएस सेंगर ने 500 रुपए प्रति माह सीताराम रसोई में दान स्वरूप देने की बात कही। संजीव मीणा ने सीताराम रसोई के लिए गेहूं दान का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डीके चावला, अभय श्रीवास्तव, सुनील मंगल, सुधीर सक्सेना, सीएस भटनागर, अलका गुप्ता, महेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

निगम चुनाव से पहले संत नगर भाजपा मंडल में आपसी खींचतान का दौर...

न बचा सीनियर नेताओं में मान सम्मान और ना ही जूनियर्स में

संत हिरदाराम नगर (रवि कुमार)। संत नगर के भाजपा मंडल में नगर निगम चुनाव से पहले आपसी खींचतान का माहौल बना हुआ है। जबसे नए मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति हुई है, तब से एक दूसरे के प्रति बचा हुआ मान सम्मान न तो सीनियर्स में है और ना ही जूनियर्स में। निगम चुनाव में दावेदारी करने नेता अभी से गर्दन ऊंची कर चल रहे हैं और चुनाव के समय क्या होगा यह मालूम नहीं। संत नगर में विगत दिनों कपड़ा एसोसिएशन का शपथ ग्रहरण समारोह का आयोजन किया गया इस आयोजन में कई ऐसे नेताओं को मंच पर बिठाया गया,जो ना कपड़ा एसोसिएशन में किसी पद पर हैं और ना ही भाजपा मंडल में। वहीं भाजपा मंडल में मंडल अध्यक्ष पद पर बैठे वर्तमान अध्यक्ष कमल विधानी मंच पर नहीं बुलाए जाने से नाराज हो गए, इसके साथ ही जिले के कई पदाधिकारियों को भी मंच पर नहीं बिठाया गया। इसका हर्ष यह हुआ कि कुछ नेताओं ने इस शपथ ग्रहण समारोह का बायकाट कर दिया। इसके बाद मंडल अध्यक्ष ने पूर्व के मंडल अध्यक्ष को भी फोन पर खासा कुछ कहा। सुनने में यह भी आ रहा है कि वर्तमान मंडल अध्यक्ष ने पूर्व मंडल अध्यक्ष को हर कार्यक्रम में साथ लेकर चलने की बात कहीं और जिस समय कार्यक्रम हो रहा था उस समय पूर्व मंडल अध्यक्ष ऊपर थे और वर्तमान नीचे। जब वर्तमान ने पूर्व मंडल अध्यक्ष से कहा आपने मुझे मंच पर क्यों इज्जत बख्शी तभी पूर्व ने जवाब दिया मेरी नजरें आपको देख नहीं सकी, नहीं तो में आपका न बुलाऊ ऐसा हो नहीं सकता। दरअसल पूर्व मंडल अध्यक्ष वार्ड क्रमांक पांच से दावेदारी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इस बात को सोचने की जरूरत है कि जब दावेदारी करने वालों के नाम पार्टी के नेताओं के पास जाएंगे तो वर्तमान मंडल अध्यक्ष की महत्पूर्ण भूमिका होगी।

यहां भी हुई किट किट

इधर कुछ दिन पहले ही नगर के एक पगड़ी रस्म कार्यक्रम में वर्तमान मंडल अध्यक्ष का एक और पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश जनियानी से भी सामना हो गया। यहां पर भी वर्तमान मंडल अध्यक्ष और जनियानी के बीच तीखी बहस हुई। यहां वर्तमान ने श्री जनियानी से कहा हम बुर्जुगों का सम्मान करना छोड़ देंगे,तभी बुर्जुग मंडल अध्यक्ष में अचानक जोश आ गया और कहा में 55 साल से जन संघ और पार्टी से जुड़ा हूं,मेरी जितने साल की पार्टी में सेवाएं हैं, उतनी तुम्हारी उम्र भी नहीं है, मैं भूखा नहीं हूं। यह विवाद सोशल मीडिया पर खूब चर्चाओं में है।

युवा नेता भी पद पाने की चिन्ता : संत नगर में पिछले कुछ महिनों से ऐसा भी नजारा देखने को मिला है कि जो लोग सालों साल भाजपा के या अन्य किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं होते थे,वे टिकट की दावेदारी करने के बाद हर कार्यक्रम में जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं, क्योंकि उन्हें टिकट चाहिए। पिछले दिनों संत नगर में फक्कड़ टाइप के नेता शामिल हो रहे हैं,इन्हें टिकट से कोई लेना देना नहीं है, इन्हें ख्वाहिशें पद पाने की हैं। इन जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों को नेताओं को गुटखे, कपड़े और जूते तक सप्रेम भेंट कर रहे हैं। इसके साथ ही कुछ ऐसे नेता भी पद पाने की दौड़ में हैं,जो कभी मंडल में मिले दायित्वों को पूरा नहीं कर पाते अब वे जिले में पद पाने की लालच रख बैठे हैं।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा के निवास पर मकर संक्रांति कार्यक्रम में शामिल हुए शिवराज सिंह

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि और विधायी कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के निवास पर मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने डॉ. मिश्रा को शुभकामनाएं दीं। इसके पहले गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा समेत मंत्रि-परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

रामेश्वर शर्मा ने प्रहलाद पटेल से की मुलाकात

भोपाल । दिल्ली प्रवास के दौरान मप्र विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के उनके आवास पर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह भी उपस्थित रहे। श्री शर्मा ने श्री पटेल को स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया।

पशु कोई वस्तु नहीं, इनमें भी है जीवन : शिवराज

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भोपाल में कुछ 'नराधमों' ने श्वान को गोली मारकर मानवता को शर्मसार किया है और इस घटना से उन्हें पीड़ा हुई है। श्री चौहान ने सोमवार को ट्वीट के जरिए कहा कि पशु कोई वस्तु नहीं, अपितु इनमें भी जीवन है। ये भी करुणा, सम्मान, दोस्ती और समर्थन के योग्य हैं। इन्हें भी जीने का समान अधिकार है। इस धरा पर केवल मनुष्य को ही विशेषाधिकार नहीं है। सृष्टि के संतुलन के लिए सभी जीवों का जीवन आवश्यक है। श्री चौहान ने कहा कि जीओ और जीने दो के मंत्र से ही यह दुनिया संतुलित और श्रेष्ठ बनेगी।

वेतन एक तारीख को देने के निर्देश

भोपाल । मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई संरक्षकों के वेतन का भुगतान प्रत्येक माह के पहले दिन करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार निर्देश में कहा गया है कि अगर एक तारीख को अवकाश हो, तो अगले दिन वेतन का भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाये। यह निर्देश नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा जारी किए गए हैं।

जल्द शुरू करें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर : कावरे

भोपाल । आयुष राज्यमंत्री रामकिशोर कावरे ने आयुष चिकित्सा अधिकारियों की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने पर तद्संबंध में कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस वेरिफिकेशन आदि की कार्यवाही पूर्ण करें। श्री कावरे सोमवार को मंत्रालय में आयुष विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने समयमान-वेतनमान दिए जाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री कावरे ने कहा कि जल्द ही हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शुरू किए जाएं। इसके लिए सभी डॉक्टर्स को योग प्रशिक्षण दिया जाए। बैठक में आउटसोर्स कर्मी, संविदा कर्मी और बजट से संबंधी विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में आयुक्त प्रतीक हजेला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुरैना में किसान खाट महापंचायत का आयोजन कल

मरैना ,एजेंसी । प्रदेश के मुरैना जिले के ग्राम देवरी स्थित क्वारी नदी किनारे बुधवार, 20 जनवरी को किसान खाट महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि यह खाट महापंचायत में प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह, प्रदेश प्रभारी मुकुल वासनिक, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गण सुरेश पचौरी, कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव, सेवादल के राष्ट्रीय दल के अध्यक्ष लालजी देसाई, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रामनिवास रावत, पूर्व मंत्री अजय सिंह, सज्जन वर्मा, गोविंद सिंह, बालेंदु शुक्ला, वृजेंद्र सिंह राठौर, लखन सिंह यादव सहित ग्वालियर और चंबल संभाग के कांग्रेस के विधायक एवं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि यह आयोजन केंद्र सरकार के किसान विरोधी कानूनों की खिलाफत के लिए किया जा रहा है। श्री गुर्जर ने कहा कि इस खाट महापंचायत में शामिल होने वाले किसानों को कांग्रेस के यह वरिष्ठ नेता खाट पर बैठकर संबोधित करेंगे। खाट पंचायत की तैयारिया शुरू हो गई हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि इस महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से किया अनुरोध

नक्सल समस्या पर उच्चस्तरीय बैठक बुलाएं

राष्ट्रीय आपदा राहत निधि कोष के अंतर्गत 1906 करोड़ शीघ्र जारी करने की मांग

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर प्रदेश में नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राजनीतिक विषयों पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में बालाघाट और मंडला नक्सल प्रभावित जिले हैं, जहां पर समय-समय पर नक्सली गतिविधि की असूचनाएं प्राप्त होती रहती हैं। अब नक्सली बालाघाट से आगे बढ़कर अमरकंटक क्षेत्र में भी अपनी गतिविधियों के विस्तार की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने नक्सली क्षेत्र में हाक फोर्स की एक बटालियन, दो आई आर बटालियन तथा एक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की बटालियन तैनात की गई हैं। असूचना एकत्रित करने के लिए एक विशेष शाखा भी बनाई गई है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र के ट्राई जंक्शन क्षेत्र में संयुक्त कैंप के द्वारा नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा रहा है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में बाढ़ के अतिरिक्त आए कीट व्याधि के संकट के कारण फसलों में हुए नुकसान को देखते हुए 1906 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय आपदा राहत निधि (एनडीआरएफ) से सहायता का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में केंद्र सरकार को पूर्व में राज्य सरकार द्वारा ज्ञापन भी दिया जा चुका है। ज्ञात हो कि प्रदेश के 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें पूरी तरह नष्ट हो गयीं थी और मकान आदि अचल संपत्ति को भी बड़ी मात्रा में नुकसान हुआ था। इसके लिए राज्य सरकार ने 3646.41 करोड़ रुपए की आवश्यकता का अनुरोध किया था। केंद्र सरकार ने अभी तक राष्ट्रीय आपदा राहत निधि कोष के अंतर्गत 611 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान हुई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसका धन्यवाद देते हुए शेष 1906 करोड़ रुपए की सहायता राशि शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया।

केंद्रीय स्वास्थ मंत्री से की छतरपुर और दमोह में एम्स की तर्ज पर अस्पताल खोलने की मांग

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन से नई दिल्ली में उनके कार्यालय में मुलाकात कर बुंदेलखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से अवगत कराया और एम्स की तर्ज पर छतरपुर और दमोह में अस्पताल खोले जाने की मांग की। साथ ही सिवनी जिले में चिकित्सा सुविधाओं की बढ़ोत्तरी की दृष्टि से मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग की। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने मेडिकल कॉलेज खोलने के संबंध में कार्यवाही शुरू कर दी है और इस संबंध में टेंडर भी जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस संबंध में केंद्र से सहायता की अपेक्षा की और इसकी स्वीकृति का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आग्रह किया कि भोपाल गैस पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्पताल को आईसीएमआर को सौंपने की बजाय भोपाल स्थित एम्स को दें ताकि चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि हो। साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में शोधकार्य एम्स की देखरेख में जारी रहेंगे। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने इस संबंध में उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से की भिंड में सैनिक स्कूल खोलने की प्रगति पर चर्चा

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर ग्वालियर-चंबल अंचल में सैनिक स्कूल खोलने की प्रगति के संबंध में चर्चा की। ज्ञात हो कि श्री चौहान इस संबंध में पहले भी केंद्रीय रक्षा मंत्री से मिल कर आग्रह कर चुके हैं। श्री चौहान ने बताया कि सैनिक स्कूल खोलने के संबंध में राजस्व विभाग द्वारा भूमि आवंटन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ने आग्रह किया कि स्कूल भवन और अन्य संसाधन उपलब्ध होने तक राज्य शासन द्वारा सैनिक स्कूल का संचालन वैकल्पिक स्थान पर शुरू कर दिया जाए। सीएम ने बताया कि विकल्प के रूप में मालनपुर नगर पंचायत स्थित शा. उ.मा. विद्यालय, विद्या आश्रम स्कूल इकहरा और गोहद स्थित सर्वोदय माध्यमिक विद्यालय इन सभी से संबंधित प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजे जा चुके हैं। सीएम ने सैनिक स्कूल भिण्ड के लिए भूमि आवंटन एवं अधोसंरचना विकास होने तक केन्द्र को भेजे गये प्रस्ताव में वैकल्पिक भवनों के अंतर्गत स्कूल संचालन की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। सीएम ने रक्षा मंत्री को बताया कि ग्वालियर नगर के महाराजपुर क्षेत्र में डीआरडीओ के लिए कुल 56.685 हेक्टेयर भूमि आवंटित कर दी गई है।

अटल प्रोग्रेस वे का एलॉयमेंट फाइनल करने का अनुरोध

सीएम ने तीन अहम बिंदुओं पर नितिन गडकरी से की चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विकास और योजनाओं को लेकर चर्चा की। उनके बीच प्रमुख रूप से तीन विषयों को लेकर बातचीत हुई।

चंबल एक्सप्रेस वे जिसे अटल एक्सप्रेस-वे का नाम सरकार ने दिया है, जिसे लेकर सीएम चौहान ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को बताया कि मप्र की तरफ से 1500 हेक्टेयर के आसपास जमीन उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही फारेस्ट की जमीन की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर दी है। सीएम ने कहा कि अब इस प्रोग्रेस-वे का डीपीआर बनकर एलॉयमेंट फाइनल हो जाए तो जो निजी जमीन हमें चाहिए तो उसे भी हम अधिगृहित करने की प्रक्रिया हम प्रारंभ करेंगे। अटल प्रोग्रेस-वे का एलॉटमेंट भी एक महीने के अंदर बना दिया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि अटल प्रोग्रेस वे हमारे पिछड़े क्षेत्र चंबल-ग्वालियर संभाग के लिए वरदान साबित होगा। यह केवल रोड नहीं, औद्योगिक कलस्टर और बाकि आर्थिक गतिविधियां विकसित करके हम रोजगार के अवसर सृजित कर उसे क्षेत्र की तस्वीर बदलने का काम करेंगे।

एक माह में मिल जाएगी कलस्टर स्वीकृति

इसी के साथ मुख्यमंत्री ने गडकरी से ये अनुरोध भी किया कि एमएसएमई हमारे छोटे उद्योग सबसे ज्यादा रोजगार देते हैं और छोटे उद्योगों का कलस्टर विकसित करने का काम मध्यप्रदेश कर रहा है। अभी तक विभिन्न जिलों के 19 एमएसएमई कलस्टर विकसित करने का प्रस्ताव भारत सरकार के पास भेजा है, जिनकी सूची मुख्यमंत्री उन्हें उपलब्ध कराएंगे। उनमें से जबलपुर का मिष्ठान्न और नमकीन क्लस्टर को स्वीकृत किया गया है। तीन के लिए उन्होंने सैद्धांतिक स्वीकृति दी है जिसमें इंडस्ट्रियल एरिया भोपाल, गुना और रतलाम सम्मिलित है। लेकिन 15 पर सैद्धांतिक स्वीकृति और अंतिम स्वीकृति बाकी है। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आश्वस्त किया कि एक महीने के अंदर यह कलस्टर स्वीकृत करने की कार्रवाई कर दी जाएगी।

सड़कों पर भी जताई सहमति: तीसरा प्रमुख विषय सीआरआईएफ की 26 सड़कों का प्रस्ताव है जो प्रदेश के सांसद, जनप्रतिनिधियों की ओर से आए हैं। ये जरूरी रोड हैं, यह प्रस्ताव भी केंद्रीय मंत्री गडकरी को सौंपे हैं और आग्रह किया गया है कि यह 26 सड़कें केंद्रीय सड़क निधि के अंतर्गत स्वीकृत की जाएं। नितिन गडकरी ने तीनों मामलों में अपनी सहमति जताते हुए आवश्यक निर्देश दिए हैं।

कोरोना काल में अन्य सभी चुनाव हो रहे हैं तो मप्र में क्यों नहीं हो रहे पंचायत चुनाव

हाईकोर्ट ने शासन से 15 दिन में मांगा जवाब

इंदौर, एजेंसी। जब कोरोना काल में अन्य सभी चुनाव हो रहे हैं तो मप्र में पंचायत चुनाव क्यों नहीं हो रहे हैं। इसे लेकर दायर एक जनहित याचिका में इंदौर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर सरकार से 15 दिन में जवाब मांगा है।

डिवीजन बेंच ने उक्त जवाब मांगा हैं। सोमवार को वीसी के जरिए हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता तोलाराम की ओर से उनके वकील ने तर्क रखते हुए कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय बीजेपी ने पंचायत चुनाव कराने की मांग की थी किंतु गत मार्च में भाजपा की सरकार बनी और 10 माह से अधिक समय होने पर भी अब तक पंचायत चुनाव नहीं कराए हैं। बीजेपी सरकार ने कोरोना की आड़ में चुनाव टाल दिए हैं जबकि चुनाव आयोग चुनाव के लिए तैयार है। उन्होंने ने कहा कि कोरोना काल में बिहार विधानसभा चुनाव के साथ ही अन्य राज्यों में भी चुनाव हुए हैं। यही नहीं मप्र में 28 विधानसभा के उपचुनाव भी कोरोना काल में ही हुए हैं। शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता पुष्यमित्र भार्गव ने तर्क रखे। दोनों पक्ष सुनकर कोर्ट ने सरकार को 15 दिन में जवाब देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री आज देंगे 224 करोड़ का 'संबल'

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को 'आपका संबल-आपकी सरकार' कार्यक्रम में संबल योजना के 10 हजार 285 हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण करेंगे। इन हितग्राहियों के खाते में राज्य स्तर से 224 करोड़ सिंगल क्लिक से अंतरित किए जाएंगे। श्री चौहान मिंटो हॉल में मंगलवार को अपरान्ह तीन बजे कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण होगा, जिसमें विभिन्न जिलों से मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और संबल योजना के हितग्राही शामिल होंगे। कार्यक्रम में 51 जिलों के हितग्राही लाभान्वित होंगे।

मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली को क्रियान्वित करें : इंदर सिंह परमार

जीएडी राज्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रणाली को विकसित करके शीघ्र क्रियान्वित कराएं। इससे विभागीय प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण हो सकेगा।

ये निर्देश श्री परमार ने सोमवार को मंत्रालय में सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा नई टेक्नोलॉजी पर आधारित ऐसी प्रणाली विकसित करें, जिससे सिर्फ वास्तविक पात्र हितग्राहियों को ही शासकीय योजनाओं का लाभ मिले। श्री परमार ने समीक्षा बैठक के दौरान 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' रोडमैप में वर्णित विभाग से संबंधित विषयों के क्रियान्वयन की स्थिति और प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाले वाली सेवाओं के लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन, राज्य प्रशासनिक सेवा और मंत्रालयीन सेवा की प्रशिक्षण नीति, विभाग के अल्पकालिक और मध्यकालिक लक्ष्यों के निर्धारण आदि विषयों पर विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार और प्रमुख सचिव कार्मिक दीप्ति गौड़ मुखर्जी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय वित्त पोषित योजनाओं में सहायक अनुदान को बढ़ाया जाए

केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ प्री-बजट चर्चा में वित्त मंत्री देवड़ा ने दिए सुझाव

भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार ने केंद्रीय वित्त पोषित योजनाओं में मिलने वाले सहायक अनुदान में कमी को देखते हुए बढ़ाने का आग्रह किया है। इसी प्रकार बिना शर्त जीएसडीपी का एक प्रतिशत अतिरिक्त ऋण और प्राप्त करने की स्वीकृति देने पर भी केंद्र से विचार करने का आग्रह किया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सोमवार को केंद्रीय बजट के पहले राज्यों के वित्त मंत्रियों से विभिन्न बजट प्रस्तावों पर चर्चा में राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने राज्य सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को केंद्रीय बजट में जरूरत के अनुकूल बजट प्रस्तावों पर चर्चा कर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत निर्माण की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्म निर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए रोडमैप बनाया है। इस साल के बजट से यह कल्पना साकार होगी और शक्तिशाली आत्मनिर्भर भारत के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का भी निर्माण होगा। श्री देवड़ा ने कहा कि केंद्र प्रवर्तित एवं केंद्र क्षेत्रीय योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार से सीधे बैंक खाते में राशि अंतरित की जा रही है। इन योजनाओं की राशि राज्य की समेकित निधि के माध्यम से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने अधोसंरचना कार्यों से संबंधित केंद्र प्रवर्तित एवं केंद्र सहायतित महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्मार्ट सिटी मिशन आदि में केन्द्रांश के अनुपात में बढ़ोत्तरी करने की भी चर्चा की। श्री देवड़ा ने केंद्रीय वित्त मंत्री को बताया कि कीट प्रकोप एवं बाढ़ आपदा के कारण हुई क्षति के मुआवजे के रूप में भारत सरकार से 3,685 करोड़ रुपए की मांग की गई है। अभी तक 611 करोड़ रुपए मिले हैं। विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत एवं पुनर्वास के लिए राज्यों को ज्यादा राशि उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा जाए।

दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर निर्माण के लिए दिया चंदा

भोपाल (एजेंसी)। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने अयोध्या में राम मंदिरनिर्माण के लिए चंदा दिया है। उन्होंने 1,11,111 (एक लाख 11 हजार 111) रुपए का चंदा चेक के माध्यम से दिया है। ये चेक उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के माध्यम से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेजा है।

इसी के साथ दिग्विजय सिंह ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर अपील भी की है कि राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करने का काम सौहार्दपूर्ण तरीके से हो। साथ ही उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के पुराने चंदे का लेखा-जोखा जनता के सामने रखने की मांग भी की है। बता दें कि राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर में लोगों से चंदा मांगा जा रहा है। इस कार्य में कांग्रेस भी सहयोग कर रही है और भोपाल में कांग्रेस जनता से अपील भी कर चुकी है कि मंदिर निर्माण के लिए चंदे की राशि सीधे राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के बैंक खाते में डालें। इससे पहले मंदिर निर्माण के लिए दो दिन के भीतर ही 100 करोड़ रुपए दान मिलने की खबर भी आई थी।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की चौपालों के आयोजन पर कृषि मंत्री कमल पटेल की प्रशंसा

पटेल के प्रयासों से मप्र में नहीं पनप पाया किसान आंदोलन

बैतूल में कहा, कुछ साथियों की नाराजगी को आंदोलन नहीं कहते

बैतूल, ,(एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कृषि कानूनों के प्रति जागरूकता के लिए किसान नेता एवं मप्र के कृषि मंत्री कमल पटेल द्वारा शुरू किए गए चौपाल अभियान की जमकर प्रशंसा की है।

बैतूल में कृषक प्रशिक्षण केंद्र का भूमि पूजन करने के बाद पत्रकारों से चर्चा में केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि भविष्य में बैतूल उन्नत खेती के लिए पूरे देश में आदर्श होगा। किसान आंदोलन को लेकर किए गए सवाल पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ किसान साथियों की नाराजगी को किसान आंदोलन नहीं कह सकते, उन्होंने प्रतिप्रश्न करते हुए कहा कि बैतूल में, मध्यप्रदेश में यह आंदोलन क्यों नहीं है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि सरकार अपनी ओर से समझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन कोई सो ही रहा हो तो उसे कैसे समझाया जा सकता है। श्री प्रधान ने कृषि मंत्री पटेल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से चौपाल लगाकर किसानों को कृषि कानूनों का फायदा बताना शुरू किया वह प्रशंसनीय है और इसके चलते प्रदेश में किसान आंदोलन नहीं पनप सका। कृषि मंत्री पटेल ने हरियाणा में भी किसान चौपाल लगाकर कृषि कानूनों के फायदे बताए, यह किसानों से संवाद का प्रभावी माध्यम है, इस अभियान में तेजी लाकर देश में कोने-कोने तक किसानों के बीच पहुंचना जरूरी है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कृषि कानूनों को किसान हितेषी बताते हुए कहा कि किसानों को खुले दिल के साथ सरकार से चर्चा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता देश भर के किसानों का कल्याण है, इसे चंद किसानों के विरोध और दवाब में वापस नहीं लिया जा सकता।

कृषि मंत्री पटेल ने खुद अतिथियों को परोसा भोजन

सोमवार को मध्यप्रदेश में एक दिवसीय प्रवास पर आए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली रवाना होने से पहले किसान नेता एवं कृषि मंत्री कमल पटेल के भोपाल स्थित निवास पर भोजन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद वीडी शर्मा इस अवसर पर मौजूद थे। कृषि मंत्री पटेल ने स्वयं अतिथियों को भोजन परोस कर मेजबानी की।

केंद्रीय मंत्री ने किया स्कूल और बायोगैस संयंत्र का लोकार्पण

भारत भारती शिक्षा समिति जामठी बैतूल द्वारा स्थापित भारत भारती प्राथमिक विद्यालय एवं बायोगैस संयंत्र का केंद्रीय मंत्री प्रधान ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर संघ के सर सहकार्यवाह सुरेश सोनी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, कृषि मंत्री कमल पटेल, सांसद दुर्गादास उईके सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बैतूल में कृषक प्रशिक्षण केंद्र का भूमि पूजन भी किया गया।कार्यक्रम में प्रादेशिक सचिव स वि प्रतिष्ठान शिरोमणि दुबे, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक व्ही. सतीश कुमार, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक जयेश शाह, ओएनजीसी के कार्यकारी निदेशक एसएससी पार्थीबन, भारत भारती शिक्षा समिति के सचिव मोहन नागर मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान ने बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम बांचा में सौर ऊर्जा से रसोई गैस बनाने के प्रकल्प का लोकार्पण भी किया।

सड़क निर्माण में घटिया डामर का उपयोग करने पर होगी एफआईआर

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के लोक निमाण मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि प्रदेशवासियों को उत्तम गुणवत्ता की सड़कें मुहैया कराना, राज्य शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने डामरीकृत सड़कों में निम्न गुणवत्ता का डामर का प्रयोग करने वाली निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री भार्गव ने कहा कि इसी क्रम में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नीरज मंडलोई ने प्रमुख सचिव अभियंता लोक निर्माण और प्रबंध संचालक मप्र सड़क विकास निगम को निर्देश दिए हैं कि सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। सड़क निर्माण कार्य में निर्माण एजेंसियों द्वारा प्रयुक्त किए जा रहे डामर की शत-प्रतिशत जांच विभाग की लेब्रोरटी से कराई जाए। उन्होंने कहा कि सैंपल फेल होने पर एक बार पुनः जांच कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोंनो जांचों में सैंपल फेल होने की स्थिति में संबंधित के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर, विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही डामर सैंपल परीक्षण जांच रिपोर्ट देयक भुगतान के दौरान बिल के साथ अनिवार्य रूप से लगाई जाए। प्रत्येक परीक्षण रिपोर्ट में सहायक/ उप यंत्री द्वारा प्रमाणित होना भी अनिवार्य होगा।

'केजीएफ चैप्टर 2' के टीजर में यश का धमाकेदार एंट्री सीन 'अग्निपथ' से अमिताभ बच्चन की दिला देगा याद

साउथ सुपरस्टार यश अपनी अपकमिंग फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है। इस टीजर को अब तक 140 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। यश उर्फ रॉकी भाई के जन्मदिन पर रिलीज़ किया गया यह टीजर तुरंत वायरल हो गया और प्रशंसकों द्वारा इसे बेहद पसंद किया जा रहा है।

टीजर का सबसे ज्यादा हूटिंग और ताली बजाने वाला सीन यश का एंट्री सीक्वेंस था, जहां वह ऑटोमोबाइल की एक लाइन को उड़ाते हुए, आग की लपटों के बीच एंट्री करते है। यह दृश्य अमिताभ बच्चन के 'अग्निपथ' के प्रतिष्ठित दृश्य से बहुत मिलता जुलता है।

केजीएफ चैप्टर 1 में भी यश 'एंग्री यंग मैन' और माफ़िया किंग के लुक में नज़र आ रहे है जो भारतीय सिनेमा के सुनहरे दौर के प्रतिष्ठित किरदार से मेल खाता है।

केजीएफ चैप्टर 1 में यश ने 'रॉकी' का किरदार निभाया है जो कोलार गोल्ड फील्ड्स के गोल्ड माफिया की भूमिका में नज़र आये थे।

अब अगले सीक्वल में भी, यश अपनी पॉवर और जोश के साथ अपने दुश्मनों का सामना करता हुआ दिखाई देंगे।

केजीएफ चैप्टर 2 में रॉकिंग स्टार यश, संजय दत्त, श्रीनिधि शेट्टी, रवीना टंडन, प्रकाश राज, मालविका अविनाश, अच्युत कुमार इत्यादि कलाकार नज़र आएंगे। यह एक बहुभाषी वेंचर है जिसे कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज़ किया जाएगा।

फिल्म का लेखन और निर्देशन प्रशांत नील ने किया है।

रितिक रोशन को बचपन में थी यह समस्या, स्कूल नहीं जाते थे

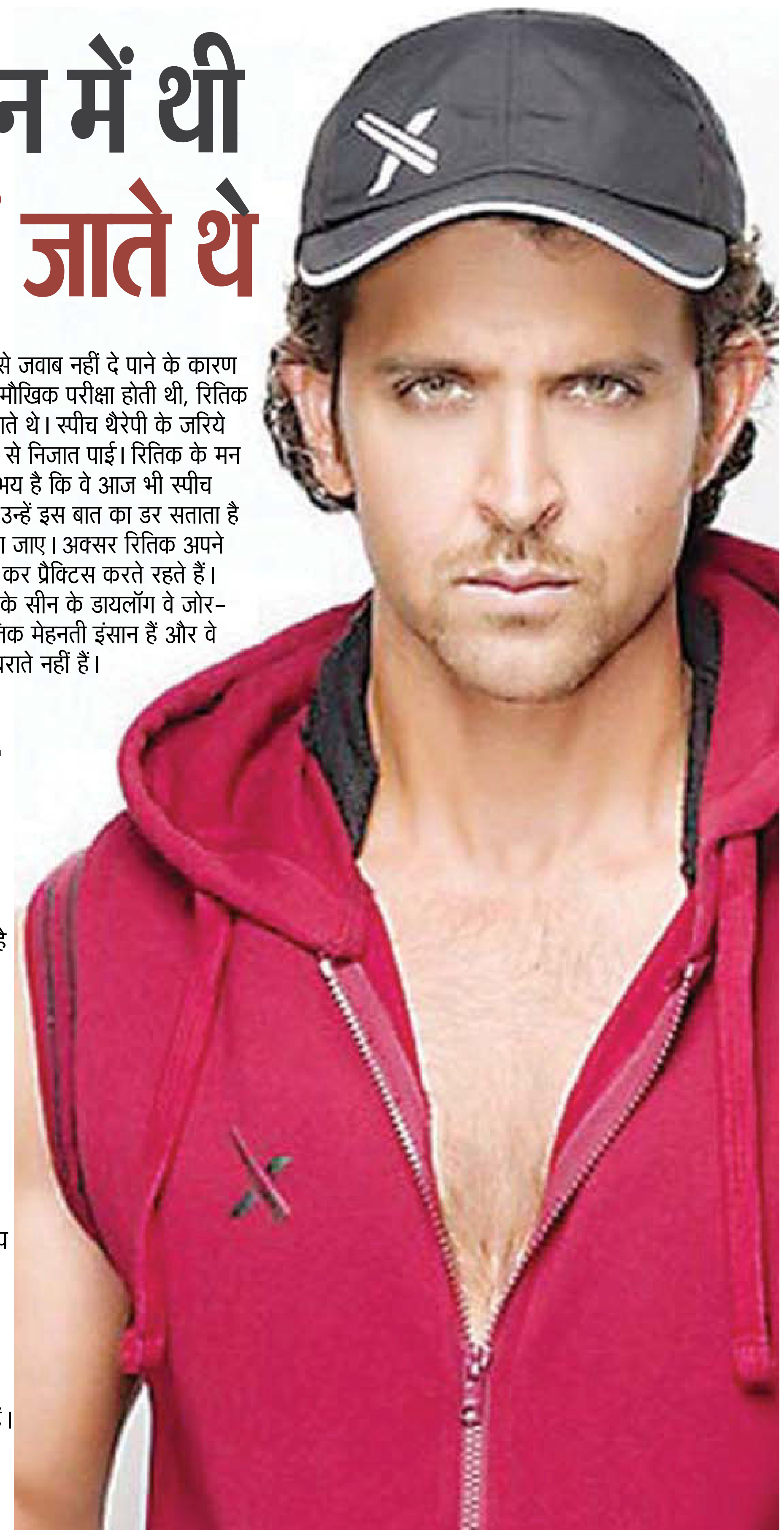

रितिक रोशन को बॉलीवुड के मोस्ट हैंडसम हीरो में से एक माना जाता है। वे कम फिल्में करते हैं और उनके पास इस बात के लिए तर्क है कि वे क्वांटिटी के बजाय क्वालिटी को महत्व देते हैं। दिलीप कुमार भी ऐसा ही करते थे और लंबे करियर में उन्होंने बहुत कम फिल्में की। कहते हैं कि वे उन्होंने जितनी फिल्में की हैं उससे ज्यादा ठुकराई हैं।

रितिक रोशन को बचपन में हकलाने की समस्या थी। सभी जानते हैं कि यदि कोई बच्चा या व्यक्ति इस तरह हकलाता है तो सभी उसका मजाक उड़ाते हैं। रितिक को भी इस तरह की बातों से जूझना पड़ा होगा। बालक रितिक के उस दिन हाथ-पैर फूल जाते थे जब उनकी मौखिक परीक्षा (ओरल टेस्ट) होती थी। मैडम सवाल पूछती थी और रितिक हकलाने की समस्या के कारण ठीक से जवाब नहीं दे पाने के कारण नर्वस हो जाते थे। जिस दिन मौखिक परीक्षा होती थी, रितिक बहाने बना कर स्कूल नहीं जाते थे। स्पीच थैरेपी के जरिये रितिक रोशन ने इस समस्या से निजात पाई। रितिक के मन में हकलाने को लेकर इतना भय है कि वे आज भी स्पीच थैरेपी को अपनाते हैं क्योंकि उन्हें इस बात का डर सताता है कि वे फिर से हकलाने न लग जाए। अक्सर रितिक अपने संवादों को जोर-जोर से पढ़ कर प्रैक्टिस करते रहते हैं। अगले दिन होने वाली शूटिंग के सीन के डायलॉग वे जोर-जोर से दोहराते रहते हैं। रितिक मेहनती इंसान हैं और वे लगातार प्रैक्टिस करने से घबराते नहीं हैं।

मौनी रॉय की जिंदगी में हुई इस खास शख्स की एंट्री, जल्द बंधेंगी शादी के बंधन में!

साल 2021 की शुरुआत बॉलीवुड के लिए अच्छी रही है। कहीं किसी के घर नन्हा मेहमान आ रहा है तो वहीं कोई शादी के बंधन में बंधने की तैयारी कर रहा है। एक्टर वरुण धवन और नताशा दलाल के शादी के बंधन में बंधने की खबर आ रही है। वहीं अब ताजा खबरों की माने तो एक्ट्रेस मौनी रॉय भी शादी कर सकती हैं।

खबरों के अनुसार मौनी रॉय ने लॉकडाउन के दौरान दुबई में अपनी बहन, जीजू और उनके बच्चों के साथ बिताया था। इस दौरान मौनी को दुबई के बैंकर सूरज नाम्बिआर से प्यार हो गया है। रिपोर्ट्स की माने तो दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

खबरों की माने तो मौनी रॉय ने सूरज के साथ अपना रिलेशनशिप इंस्टाग्राम पर ऑफिशियल कर दिया है। उन्होंने सूरज और उनके परिवार के साथ सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर की थी। इतना ही नहीं उन्होंने सूरज के माता-पिता को मॉम-डैड भी कहा है।

बताया जा रहा है कि दोनों जल्द ही शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। मौनी सूरज के पेरेंट्स के साथ बहुत कंफर्टेबल हैं। मौनी सूरज से पहले गौरव चोपड़ा और मोहित रैना को डेट कर चुकी हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय जल्द ही ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में मौनी रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन के साथ नजर आएंगी।

सूरज बड़जात्या की फिल्म में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन और बोमन ईरानी

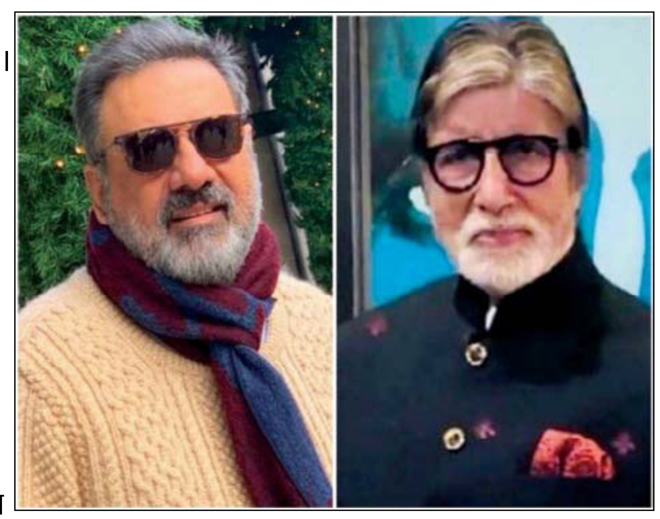

फिल्म निर्देशक सूरज बड़जात्या फैमिली ड्रामा फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। मैंने प्यार किया से लेकर विवाह तक वह कई बेहतरीन फिल्में बना चुके हैं। अब एक बार फिर वह ऐसी ही फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे अमिताभ बच्चन और बोमन ईरानी नजर आने वाले हैं।

खबरों के अनुसार यह फिल्म दोस्ती पर आधारित होगी। अगर सबकुछ ठीक रहा तो फरवरी से फिल्म पर काम शुरू हो जाएगा। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी बहुत हद तक सूरज बड़जात्या के जीवन पर दोस्ती पर आधारित है।

बॉलीवुड हंगामा की खबर के अनुसार अमिताभ बड़जात्या के साथ जल्द से जल्द शूटिंग शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। बताया जा रहा है कि ऐसा पहली बार होगा जब अमिताभ, बड़जात्या के साथ काम कर रहे हैं। जब सूरज जी बिग बी के पास स्क्रिप्ट नेरेशन के लिए पहुंचे तो अमिताभ को यह काफी पसंद आई।

सूरज अपनी फिल्म की स्क्रिप्ट का नेरेशन मनोरंजन तरीके से और नाटकीय अंदाज में करते हैं इतना ही नहीं वह गानों को गुनगुनाकर कलाकार को फिल्म का पूरा फील देते हैं। अमिताभ को सूरज जी का ये अंदाज बहुत ही पसंद आया इसके अलावा उन्हें स्क्रिप्ट भी काफी अच्छी लगी। उन्होंने इससे पहले ऐसा रोल कभी नहीं किया। इतना ही नहीं उन्होंने पिछले एक दशक से ऐसी पारिवारिक फिल्म भी नहीं की इसलिए उन्होंने तुरंत इस फिल्म के लिए हामी भी भर दी।

गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए जमकर मेहनत कर रहीं आलिया भट्ट

बॉलीवुड एट्रेस आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को लेकर काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली निर्देशित कर रहे हैं। भंसाली ने इस फिल्म की शूटिंग आलिया भट्ट के साथ काफी पहले शुरु कर दी थी लेकिन बाद में कोरोनावायरस और लॉकडाउन के चलते इसे बंद करना पड़ा था। आलिया अपनी इस फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रही हैं। सत्य घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में आलिया गंगूबाई के रोल में नजर आने वाली हैं। अब आलिया की इस फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। खबरों के अनुसार आलिया भट्ट इस फिल्म में एक बड़ी सी रैली को संबोधित करते हुए नजर आने वाली हैं जिसकी शूटिंग हाल ही में खत्म हुई है। इसके लिए संजय लीला भंसाली ने काफी बड़ा सेट बनाया था और भीड़ इकट्ठा हुई थी। बताया जा रहा है कि संजय लीला भंसाली 1960 का वो दौर दिखाना चाहते हैं जब गंगूबाई ने बड़े आंदोलन की शुरुआत की थी। जब उन्होंने सेस वर्कस को उनका खोया समान दिलवाने की ठानी थी। इस सीन को फिल्माने के लिए आलिया भट्ट और उनकी टीम ने काफी मेहनत की है और फिल्म में ये सीन शानदार नजर आने वाला है। वर्क फ्रंट की बात करें तो इस फिल्म के अलावा आलिया भट्ट फिल्म ब्रह्मास्त्र में भी नजर आएंगी। फिल्म में वह रणबीर कपूर के साथ रोमांस करती नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह फिल्म 'आरआरआर' में भी दिखेंगी।

महाभारत के कर्ण का किरदार निभाएंगे शाहिद कपूर

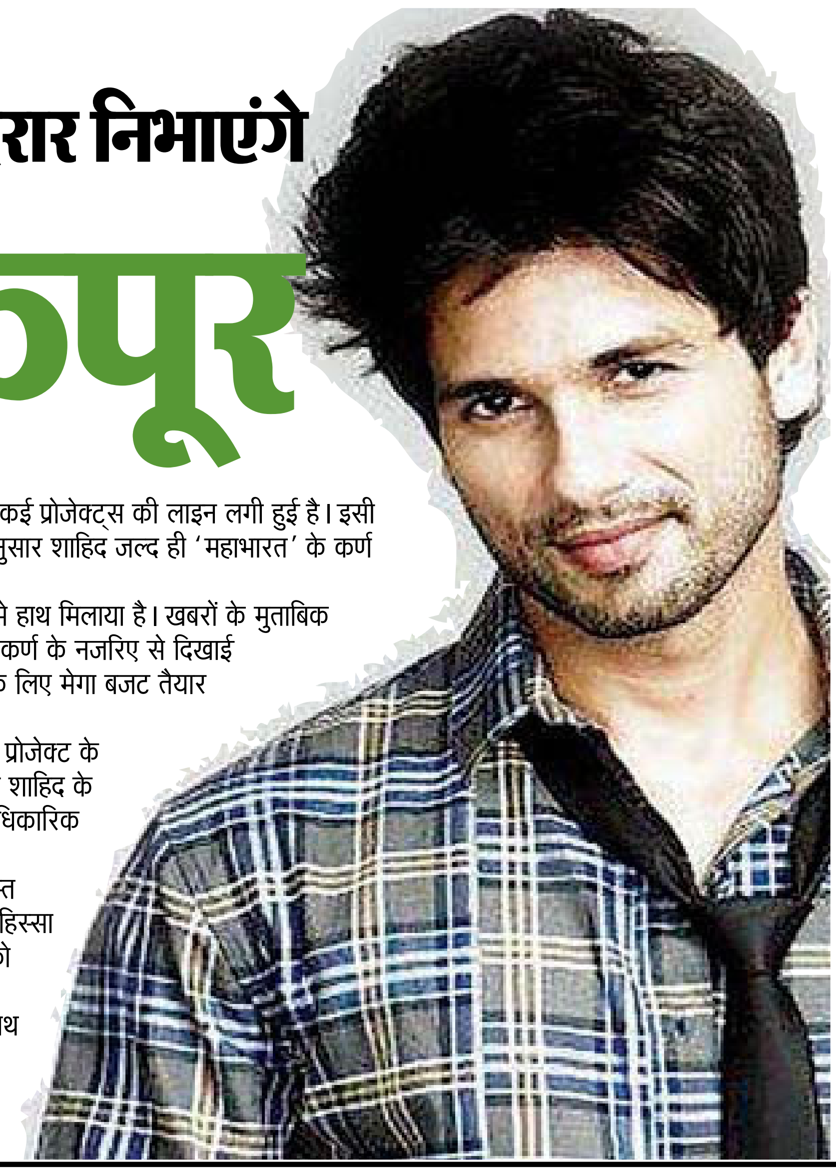

फिल्म 'कबीर सिंह' की सफलता के बाद बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर के पास कई प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। इसी बीच शाहिद अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। खबरों के अनुसार शाहिद जल्द ही 'महाभारत' के कर्ण की भूमिका निभाते हुए नजर आ सकते हैं।

इसके लिए शाहिद कपूर ने मशहूर निर्माता-निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा से हाथ मिलाया है। खबरों के मुताबिक इस फिल्म में कर्ण का किरदार अहम होगा। फिल्म में महाभारत की कहानी कर्ण के नजरिए से दिखाई जाएगी। कहा जा रहा है कि राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने अपनी इस फिल्म के लिए मेगा बजट तैयार कर रखा है।

राकेश ओमप्रकाश मेहरा हमेशा से ही कर्ण पर फिल्म बनाना चाहते थे, अब इस प्रोजेक्ट के जरिए आखिरकार उनका सपना पूरा होने जा रहा है। इस फिल्म के लिए अब शाहिद के फैंस भी काफी उत्साहित हो गए हैं। हालांकि, फिलहाल फिल्म को लेकर आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं हुआ है।

गौरतलब है कि सूर्यपुत्र के नाम से मशहूर कर्ण को दुर्योधन का सबसे खास दोस्त माना जाता है। अपनी दोस्ती निभाने के लिए कर्ण ने महाभारत की लड़ाई में हिस्सा लिया था, इस दौरान वह वीरगति को प्राप्त हो गए थे। फिलहाल इस फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ पाई है।

शाहिद के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो जल्द ही वह विजय सेतुपति के साथ वेब सीरीज में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिलहाल इस सीरीज का कोई टाइटल तय नहीं किया गया है। इसकी शूटिंग मुंबई और गोवा में की जाएगी। इसके अलावा शाहिद को फिल्म 'जर्सी' में नजर आएंगे।

ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नरस लैबूसांगे को आउट करने के बाद उत्साहित भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज।

भारतीय टीम को टेस्ट और सीरीज जीतने चाहिये 324 रन

बिसबेन, (एजेंसी)। भारतीय टीम को मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टेस्ट जीतने के लिए अंतिम दिन 324 रन और बनाने हैं। बारिश की बाधा के कारण चौथे दिन का खेल तय समय से पहले ही समाप्त करना पड़ा। उस समय तक भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 328 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 1.5 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 4 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 4 रन पर खेल रहे थे जबकि शुभमन गिल ने खाता नहीं खोला था। इसके बाद बारिश शुरू हो गयी जिसके नहीं रुकने पर अंपायरों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया। ऐसे में अब पांचवें दिन भारत को जीत दर्ज करने के लिए 324 रन बनाने होंगे।

इससे पहले आज सुबह तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी से भारत ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को दूसरी पारी में 294 रनों पर ही समेट दिया। भारत की ओर से सिराज ने पांच और शार्दुल ने 4 विकेट लिए। इस प्रकार ऑस्ट्रेलयाई टीम को 327 रनों की बढ़त पहली पारी के आधार पर मिली है। ऐसे में भारत को जीत के लिए 328 रनों का लक्ष्य मिला है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 369 रन बनाए जबकि भारतीय टीम 336 रनों पर ही आउट हो गयी थी।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों सिराज और शार्दुल के सामने टिक नहीं पाये। केवल स्टीव स्मिथ ही 55 रनों की अर्धशतकीय पारी खेल पाए जबकि डेविड वार्नर दो रनों से अर्धशतक नहीं लगा पाये। वार्नर 48 रन बनाकर आउट हुए। मेजबान टीम की दूसरी पारी की शुरूआत अच्छी रही और पहले विकेट के लिए वार्नर और मार्कस हैरिस के बीच 89 रन की साझेदारी हुई। इसके बाद हैरिस को शार्दुल ने आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हैरिस ने 82 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से 38 रन बनाए। हैरिस के आउट होने के बाद टीम के मात्र 2 ही रन बने थे कि सलामी बल्लेबाज वार्नर भी पवेलियन लौट गए। वह वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू होने के कारण 48 रनों पर पेवेलियन लौटे।

सिराज ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन दिखाते हुए चौथा विकेट मिशेल स्टार्क का लिया। उन्होंने स्टार्क को मात्र एक रन पर नवदीप सैनी के हाथों कैच आउट करवाया। सिराज ने पांचवां विकेट झटकते हुए हेजलवुड को अपना शिकार बनाते हुए उन्हें शार्दुल के हाथों कैच आउट करवाया। हेजलवुड ने 11 गेंदों पर 9 रन बनाए। वहीं कमिंस 28 रन बनाकर नाबाद वापस लौटे।

शार्दुल ने भारतीय टीम को 2 सफलताए दिलाई। पहले 61वें ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने ग्रीन को और फिर कप्तान टिम पेन को भी पेवेलियन पवेलियन भेजा। ग्रीन ने 37 जबकि पेन ने 27 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने अपनी पारी के दौरान 3-3 चौके लगाए। स्मिथ ने शानदार अर्धशतकीय पारी 55 रन बनाकर खेली लेकिन इसे शतक में बदलने में नाकाम रहे। स्मिथ को सिराज ने रहाणे के हाथों कैच आउट करवाकर महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया। दूसरी पारी में ये सिराज का तीसरा अहम विकेट था। जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 123 पर खेल रहे थे तो सिराज ने 31वें ओवर में उन्हें 2 झटके लिए। पहले सिराज ने लाबुशेन को रोहित शर्मा के हाथों आउट करवाया। इसके बाद इसी ओवर की अंतिम गेंद पर मैथ्यू वेड को कैच आउट करवाकर पवेलियन का रास्ता दिखाया। लाबुशेन 22 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 25 रन जबकि वेड बिना खाता खोले ही वापस लौट गए।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को सात विकेट से हराया

गाले, (एजेंसी)। इंग्लैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट में मेजबान श्रीलंकाई टीम को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 74 रनों के छोटे से लक्ष्य को इंग्लैंड ने तीन विकेट के नुकसान पार हासिल कर लिया। जॉनी बेयरस्टॉ और डैन लारेंस के बीच हुई 52 रन की शानदार साझेदारी से टीम को यह जीत मिली। चौथे दिन के अंत तक इंग्लैंड ने अपने तीन विकेट महज 14 रन पर गंवा दिए थे पर इसके बाद बेयरस्टॉ और लारेंस ने उसे संकट से निकाला। बेयरस्टॉ 65 गेंद में 35 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि लारेंस ने 21 रन बनाए। इसी के साथ ही दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में इंग्लैंड टीम 1-0 से आगे हो गयी है।

इस मैच में श्रीलंका ने पहली पारी में 135 रन बनाने के बाद सलामी बल्लेबाजों कुसल परेरा और थिरमाने के बीच हुई शानदार साझेदारी से दूसरी पारी में वापसी का पूरा प्रयास पर मध्यक्रम की बल्लेबाजों के असफल होने से वह मेहमान टीम को 74 रनों का ही लक्ष्य दे पायी। ऐसे में अंतिम दिन जीत के लिए इंग्लैंड टीम को केवल 36 रनों की जरुरत थी जो उसने आसानी से हासिल कर लिए।

बेयरस्टॉ को एक जीवनदान भी मिला वह तीसरे ही ओवर में दिलरूवान परेरा की गेंद पर पगबाधा हो जाते पर श्रीलंकाई कप्तान दिनेश चांदीमल ने रिव्यू नहीं लिया। इससे पहले श्रीलंका के पहली पारी के 135 रन के जवाब में इंग्लैंड ने कप्तान जो रुट के दोहरे शतक 228 रनों से 421 रन बनाए थे। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 359 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए निकले बोपन्ना पृथकवास में भेजे गये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने निकले भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के कारण पृथकवास में भेज दिया गया है। शीर्ष युगल खिलाड़ी बोपन्ना दोहा से मेलबर्न जा रहे थे पर इसी विमान में एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति पाया गया था। इसके बाद से ही इस टूनार्मेंट के लिये दो विशेष विमानों से यहां पहुंचे 47 खिलाड़ियों को कड़े पृथकवास पर भेज दिया गया है क्योंकि इन उड़ान में कोरोना वायरस के चार मामले पॉजीटिव पाये गये थे। वहीं बोपन्ना के अलावा पृथकवास पर भेजे गये खिलाड़ियों में विक्टोरिया अजारेंका, एंजेलिक कर्बर, केई निशिकोरी जैसे बड़े खिलाड़ी भी शामिल है।

इन चार मामलों में से तीन मामले लॉस एंजिल्स की उड़ान से जुड़े है जबकि एक मामला खाड़ी देश से आये विमान से जुड़ा है। बोपन्ना ने कहा , हमें बस यह कहा गया है कि हमारी उड़ान में एक व्यक्ति को कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। दोहा से दो उड़ाने रवाना हुई थी पर दुर्भाग्य से एक कोरोना संक्रमित यात्री भी हमारे साथ विमान में था।

साथ ही कहा, इस समय सबसे जरूरी है कि दिमाग को किसी ना किसी काम में व्यस्त रखा जाये। अभी मैं कोई ऑनलाइन पाठयक्रम करूंगा या टीवी देखूंगा। वहीं बोपन्ना के साथ ही उनके कोच स्कॉट डेविडॉफ को भी सख्त पृथकवास में रहना होगा। स्कॉट लॉस एंजिल्स से जिस विमान में थे उसमें भी कोरोना वायरस से संक्रमित लोग पाये गया हैं।

सरजेवो में एक मैराथन रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

महिला क्रिकेट सत्र शुरू करने को बीसीसीआई ने अनुमति दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद ने मार्च में महिला क्रिकेट सत्र को शुरू करने की अनुमति दे दी है। महिलाओं के सत्र की शुरूआत संभवतः मार्च से सीनियर क्रिकेट के साथ होगी। बीसीसीआई ने राष्ट्रीय महिला टीम के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बहाल करने के लिये श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका से बात की है क्योंकि पिछले साल मार्च में टी20 विश्व कप के बाद से खिलाड़ियों ने क्रिकेट नहीं खेला है। यह घरेलू श्रृंखला होगी और इसके फरवरी में खेले जाने की उम्मीद है।

वहीं भारत का घरेलू सत्र कोविड-19 महामारी के कारण शुरू नहीं हो सका पर इस माह के बाद इस माह के शुरू में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्राफी से इसकी शुरूआत हुई। यह टूनामेंट बायो-बबल (जैव सुरक्षा घेरे) में हो रहा है।

बीससीआई की बैठक में रणजी ट्रॉफी पर फैसला होने की उम्मीद थी पर सदस्यों के बीच आम सहमति नहीं बन सकी हालांकि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस प्रतिष्ठित प्रथम श्रेणी टूनामेंट को आयोजित करने के पक्ष में थे ।बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अध्यक्ष रणजी ट्राफी कराने के पक्ष में थे लेकिन कुछ अन्य ऐसा नहीं चाहते थे बल्कि वे विजय हजारे ट्राफी (50 ओवर) के आयोजन के पक्ष में थे।

दिग्गज पूर्व क्रिकेटर चंद्रशेखर स्ट्रोक के कारण अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरू, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर बी.एस. चंद्रशेखर को हल्का स्ट्रोक का हल्का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दिग्गज स्पिनर के परिवार के अनुसार उनकी स्थिति पहले से बेहतर है और डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें कुछ दिनों में ही छुट्टी मिल जाएगी। उनकी पत्नी ने कहा, उनकी हालत में सुधार आया है। वह बुधवार या गुरूवार को घर लौट आएंगे।

इस पूर्व स्पिनर को दौरे और थकान के साथ ही जबान लडखड़ाने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की सलाह पर उनका न्यूरोलॉजी में उपचार कराया गया। उन्हें एस्टर आर वी अस्पताल में आपात चिकित्सा ईकाई में रखा गया था। उनकी पत्नी ने बताया कि अब वह सामान्य वार्ड में हैं और उनकी फिजियोथेरेपी चल रही है ।

उनकी पत्नी ने कहा कि उनके दिमाग में किसी तरह का अवरोध है। यह बहुत ही हलका स्ट्रोक था। डॉक्टरों के अनुसार वह एक या दो सप्ताह में पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।

चंद्रशेखर ने अपने 16 साल के कैरियर में 58 टेस्ट में 242 विकेट लिए। वह बिशन सिंह बेदी, ईरापल्ली प्रसन्ना और एस वेंकटराघवन के साथ भारत की मशहूर स्पिन चौकड़ी का हिस्सा रहे हैं। चंद्रशेखर से पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी दिल का दौरा पड़ा था जिसके लिए उनकी एंजियोप्लास्टी हुई हैं और वह भी अभी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे शाकिब

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन अगले सप्ताह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला से खेल में वापसी करेंगे। शाकिब को इस सीरीज के लिए बांग्लादेश की 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। तीन मैचों की इस घरेलू श्रृंखला के लिए तमीम इकबाल की कप्तानी वाली टीम में तीन नए चेहरों शोरिफुल इस्लाम, हसन महमूद और मेहदी हसन को भी शामिल किया गया है। आईसीसी प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद यह शाकिब का पहला अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट होगा। उन्हें इससे पहले इस श्रृंखला के लिए 24 सदस्यीय टीम में भी जगह मिली थी। बांग्लादेश के टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान रह रहे शाकिब ने बीते साल नवंबर में बंगबंधु टी20 कप घरेलू टूनामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी। शाकिब के अलावा तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और रूबेल हुसैन की भी बांग्लादेश टीम में वापसी हुई है ।बांग्लादेश के मुख्य चयनकर्ता मिनहाजुल आबेदीन ने कहा, स्वाभाविक रूप से हम शाकिब अल हसन की टीम में वापसी से खुश हैं क्योंकि हम सभी जानते हैं कि वह मैच विजेता खिलाड़ी हैं और हम बहुत जल्द ही उनके सर्वश्रेष्ठ लय में वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम इस प्रकार है।

बांग्लादेश टीम : तमीम इकबाल (कप्तान), शाकिब अल हसन, नजमुल हुसैन, मुशफिकुर रहीम, मोहम्मद मिथुन, लिट्टन दास, महमूदुल्लाह, अफिफ हुसैन, सौम्य सरकार, तस्कीन अहमद, रुबेल हुसैन, तैजुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, मेहिदी हसन, मोहम्मद सैफुद्दीन, मेहदी हसन, हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम।

जगरेब में ग्रीको रोमन कुश्ती मुकाबले में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

द्रविड़ की तरह उभरती हुई प्रतिभाओं को निखारें पूर्व पाक क्रिकेटर : अफरीदी

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों से कहा है कि वह दिग्गज भारतीय बल्लेबाज रहे राहुल द्रविड़ की राह पर चलें और जिस प्रकार द्रविड़ भारत में यूवा प्रतिभाओं को निखार रहें हैं वैसा ही करें। द्रविड़ साल 2016 से 2019 तक भारत की अंडर-19 और भारत ए टीमों के कोच रहे और इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख हैं। एक कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा कि द्रविड़ ने अंडर-19 स्तर पर युवा भारतीय खिलाड़ियों के साथ काफी मेहनत की है। अफरीदी ने कहा, मुझे लगता है कि हमें बेहतरीन प्रतिभाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है इसलिए जो भी युवा आ रहे हैं, उन्हें हमारे पूर्व महान खिलाड़ियों द्वारा सही तरह से निखारने की जरूरत है। ये इन युवा खिलाड़ियों के साथ काफी कुछ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी जैसे इंजमाम-उल-हक, यूनिस खान और मोहम्मद युसूफ पाकिस्तान की युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने में काफी कुछ कर सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के मिसबाह-उल-हक और वकार यूनिस की कोचिंग में खेलने से इंकार को लेकर अफरीदी ने कहा कि यह हमारे यहां की पुरानी समस्या है। इसके लिए पाक बोर्ड को इन खिलाड़ियों से बात करनी चाहिये।

एथलेटिक से हारी बार्सिलोना, मेसी को दिखाया गया लाल कार्ड

सेविले, (एजेंसी)। बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी को करियर में पहली बार लाल कार्ड दिखाया गया है। सी को स्पेनिश सुपर कप के फाइनल में एथलेटिक क्लब के साथ हुए मुकाबले में उनके आक्रमक व्यवहार को देखते हुए दिखाया गया है। इस मैच में बार्सिलोना को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार मैच के अतिरिक्त समय में एथलेटिक के फॉरवर्ड खिलाड़ी एसिएर विलालिब्रे के खिलाफ मैसी का व्यवहार आक्रामक नजर आया। जिसके कारण ही मेसी को लाल कार्ड दिखाया गया।

बार्सिलोना की ओर से खेलने के दौर अब तक के 753 मैचों में यह पहली बार है जब उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया है। एथलेटिक से मुकाबले में एंटोइने ग्रीजमैन ने 40वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके दो मिनट बाद ही ओस्कर डी मार्कोस ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं ग्रीजमैन ने फिर 70वें मिनट में एक और गोल कर बार्सिलोना को फिर बढ़त दिला दी। वहीं 90वें मिनट में एसिएर विलालिब्रे और उनके तीन मिनट बाद ही इनाकी विलियम्स ने गोल कर एथलेटिक को जीत दिला दी।